RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या

एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन

पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 189

पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, रविवार, 29 अक्टूबर, 2023

द अचीवर टाइम्स

बड़े हमले से पहले छोटी-छोटी घुसपैठ

हमास को मिटाने के लिए ऐसे गुरिल्ला युद्ध कर रहा इस्राइल

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्राइल और हमास के बीच जारी लड़ाई को अब तीन हफ्ते बीत चुके हैं। इस बीच गाजा पट्टी में छिपे हमास के लड़ाकों को मारने के लिए इस्राइल की सेना ने जमीनी अभियान शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई शुरू करने से पहले इस्राइल ने गुरिल्ला तकनीक का इस्तेमाल किया। इस रणनीति का उपयोग दशकों से होता रहा है। अब हमास के खिलाफ लड़ाई गुरिल्ला तकनीक फिर से चर्चा में आ गई है।

आखिर क्यों सुर्खियों में है गुरिल्ला युद्ध?

7 अक्तूबर को हमास ने हमला कर इस्राइल को गहरा घात दिया। तब से इस्राइल ने गाजा पट्टी में मौजूद हमास के ठिकानों को नस्तनाबूत करने के लिए कई हवाई हमले किए। इसके साथ ही इस्राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने गाजा में जमीनी हमले की योजना बनाई। शुरुआत में आईडीएफ अपने प्रयास में सफल नहीं हुई और उसे जमीनी अभियान की कार्रवाई टालनी पड़ी। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में आईडीएफ ने हर बार पीछे हटने से पहले गाजा में तीन लक्षित और छोटी घुसपैठ शुरू की। इस्राइल की प्रख्यात नौसेना इकाई शायेटेट के 13 नौसैनिक कमांडो ने जमीन के रास्ते दो घुसपैठें कीं। वहीं एक बार समुद्र के रास्ते घुसपैठ की गई। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट की मानें, तो प्रत्येक घुसपैठ के जरिए सीमित संख्या में हमास के बुनियादी ढांचों को नष्ट किया गया। इसके जरिए इस्राइली सेना ने हवाई हमलों ने कहीं अधिक क्षति पहुंचाई है, इसलिए प्रभाव काफी सीमित था। शुरुआत में उम्मीदें गाजा में अब तक के सबसे बड़े जमीनी हमले की लगाई गई थीं जिसके लिए 3,60,000 रिजर्व सैनिक बुलाए गए थे। हालांकि, इस्राइली सेना द्वारा जो कुछ किया गया है वह अभी भी 2014 में गाजा में किए गए जमीनी आक्रमण के स्तर तक नहीं पहुंचा है। जब इस्राइल बार-बार जमीनी हमले में देरी कर रहा था तो सबके मन में कई सवाल थे। सवाल थे कि क्या अब तक आक्रमण में देरी करना सही कदम था। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह प्रक्रिया दो सप्ताह पहले ही शुरू हो गई थी, लेकिन एक या दो दिन बाद ही पता चला कि उस समय गाजा में घुसपैठ की सूचना दी गई थी। योजना थी कि लड़ाई में वास्तव में हमास को शामिल नहीं किया जाए।

गुरिल्ला युद्ध के नुकसान भी हो सकते हैं?

गुरिल्ला युद्ध तकनीक के इस्तेमाल का मतलब यह नहीं है कि इस्राइली सेना खतरों से बच सकती है। कई बार सैनिकों को अपने बख्तरबंद वाहनों से बाहर निकलने और घर-घर, सड़क के कोने-कोने में जाने की जरूरत होगी, ताकि सुरंगों और अन्य खुफिया जगहों पर छिपे आर्तकियों को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके। आशंका होती है कि जब आईडीएफ कर्मी किसी घर या सुरंग का दरवाजा खोलेंगे, उस दौरान सैनिकों के हताहत होने का खतरा होगा। क्योंकि दीवारों में छिपे हुए छोटे छेद के जरिए हमास के लड़ाके गोली मार सकते हैं। संक्षेप में कहें तो तकनीक के इस्तेमाल करने के तरीके पर ही नफा और नुकसान शामिल है।

हमास के खिलाफ क्यों शुरू किया गया गुरिल्ला युद्ध?

इस समय गाजा शहर में खुद को बचाए रखने के लिए हमास जिन तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है वो घात लगाकर किए जाने वाले हमले, सुरक्षित दिखने वाली चीजों पर विस्फोट करना और हिट-एंड-रन शामिल है। इन तरीकों के जरिए हमास इस्राइल के हवाई और अन्य तकनीकी लाभों को बेअसर करना चाहता है। वहीं, गुरिल्ला युद्ध की बात करें तो यह लगभग युद्ध जितना ही पुराना है। परंपरागत रूप से इसका इस्तेमाल छोटे या कमजोर पक्ष द्वारा बड़े या कम सक्रिय पक्ष को रोकने के लिए किया जाता था। चूंकि हमास ने इस्राइल के खिलाफ शहरी इलाकों में मानव ढाल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। लिहाजा इस्राइल को भी समझ आया है कि बड़ी और अधिक शक्तिशाली सेना होने का मतलब तकनीक में आश्चर्य के तत्व को छोड़ना नहीं है। सीधे शब्दों में कहें तो, गाजा में मौजूद हमास के लड़ाकों को नहीं पता कि आईडीएफ आगे कहां से छलांग लगा सकती है।

घटनाक्रमों की श्रृंखला से स्पष्ट होता है आईडीएफ हमास पर गुरिल्ला युद्ध रणनीति अपना रहा है।

गुरिल्ला तकनीक के इस्तेमाल का उद्देश्य क्या है?

इस्राइली मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसे हमास को इस हद तक परेशान करने के लिए तैयार किया गया है कि यह मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव डाले, ताकि वह अपनी रक्षात्मक मुद्रा का दोबारा अनुमान लगाना शुरू कर दे। उधर आईडीएफ के पास ऐसे ड्रोन और अन्य निगरानी प्लेटफार्म हैं जिनके जरिए वह हमास की गतिविधियों का निरीक्षण कर सकता है।

आगे कैसे इस्तेमाल की जाएगी गुरिल्ला तकनीक?

गुरिल्ला युद्ध रणनीति की तरह ही आईडीएफ हिट एंड रन का इस्तेमाल करती आई है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि आईडीएफ रणनीति को ठीक से लागू करता है, तो यह एक ही समय में कई छोटी घुसपैठ करना शुरू कर देगा। इससे हमास और अधिक भ्रमित हो जाएगा कि आगे क्या होगा, कब कोई घुसपैठ बड़ी हो सकती है, कहां से हो सकती है और फिर उस समय हमला होगा जब हमास की सुरक्षा अचानक कम हो जाएगी।

बीच सड़क भाजपा नेता के भतीजे को मारी गोली

फिल्मी स्टाइल में बाइक से आए, दोनों हाथ में तमंचा लहराते फरार

एजेंसी

मथुरा। मथुरा में बीच सड़क भाजपा नेता के भतीचे को गोली मार दी। आरोपी फिल्मी स्टाइल में बाइक से आए। वारदात को अंजाम देकर दोनों हाथ में तमंचा लहराते फरार हो गए।

उत्तर प्रदेश के मथुरा में शनिवार की शाम बाइक सवार दो युवकों ने चाऊमीन की दुकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। गोली लगने से दो लोग घायल हो गए। घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। आरोपी फिल्मी स्टाइल में दोनों हाथों में तमंचा लहराते हुए फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना छाता थाना क्षेत्र के दिल्ली गेट के सामने की शाम करीब छह बजे की है। यहां पर चाऊमीन की दुकान पर कुछ लोग खड़े थे। इसी समय एक बाइक पर दो युवक आए। चालक का चेहरा खुला था, जबकि पीछे बैठा युवक नकाबपोश था। उसके दोनों हाथों में तमंचे थे। वह फिल्मी स्टाइल पर आए और दुकान की तरफ एक के बाद एक गोलियां दागीं। गोली लगने से मयंक चौधरी सहति दो युवक घायल हो गए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मंयक भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिगंबर चौधरी एडवोकेट का भतीजा है। घटना के समय उसके पिता बलवीर चौधरी भी वहीं पर बैठे थे। हालांकि वह बाल-बाल बच गए। दोनों लोग दुकान पर चाऊमीन लेने के लिए खड़े थे। वहीं गाड़ी चलाने वाले आरोपी की पहचान धीरज उर्फ चवन्नी के रूप में हुई है। उसके पिता धर्म सिंह, डाकघर में कर्मचारी हैं। पीछे बैठे नकाबपोश की पहचान की कोशिश की जा रही है।

फारुक अब्दुल्ला का पाकिस्तान प्रेम

विकास के लिए पड़ोसी से अच्छे रिश्ते जरूरी

एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के तल्ख रिश्तों के बीच जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत में विकास चाहिए तो पड़ोसी देश के साथ अच्छे रिश्ते रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने पाक को भी अच्छे संबंध की नसीहत दी।

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों को लेकर फारुक अब्दुल्ला बेहद मुखर रहे हैं। दोनों देशों के रिश्तों को लेकर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुक ने अब्दुल्ला ने महाराष्ट्र दौरे पर बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत में अगर विकास करना है तो पाकिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते रखना बहुत जरूरी है। अब्दुल्ला ने कहा कि भारत के नेताओं को पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध की अहमियत समझनी पड़ेगी। पड़ोसी देश के साथ अच्छे संबंध रखे बिना देश तरक्की नहीं कर सकता।

मुस्लिमों को वोट बैंक बनाया

फारुक अब्दुल्ला ने देश में धर्म की राजनीति को लेकर भी अफसोस जाहिर किया। उन्होंने कहा, हमारा इस्तेमाल किया जा रहा है और जब हमें हमारा अधिकार देने का समय

आता है तो हमें कुछ भी नहीं दिया जाता। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मुसलमानों का उपयोग केवल वोट बैंक के लिए किया जाता है,अगर हम अपने वोटों का सही उपयोग करें तो हम बदलाव ला सकते हैं।

पाकिस्तान को भी कड़ी नसीहत

उन्होंने पड़ोसी देश को भी कड़ी नसीहत दी। लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर की सत्ता पर काबिज रही- नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारुक अब्दुल्ला ने कहा, देश के हालात बदलेंगे, एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम और सिख भाई-भाई की तरह रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते भी सुधरेंगे। अगर पाकिस्तान को अपना देश बचाना है तो उन्हें भारत के साथ संबंध सुधारने ही होंगे। पूर्व सीएम के अनुसार, पाकिस्तान को भारत के साथ मित्रतापूर्ण संबंध बनाए रखने होंगे।

अपने पिता के दिनों को याद किया

पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि जब उनके पिता- शेख अब्दुल्ला के सामने दो राष्ट्रों का सिद्धांत आया था तो उन्होंने प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलने वाले उनके पिता ने पाकिस्तान के साथ जाने से इनकार कर दिया था। आज भी जम्मू-कश्मीर के युवा इस फैसले की आलोचना करते हैं, लेकिन संकीर्ण सोच से ऊपर उठकर सोचने की जरूरत है। फारुक अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सुधारना बहुत जरूरी है। दोनों देशों का हित इसी में है।

केरल में फलस्तीन समर्थक रैली में हमास नेता की मौजूदगी पर बवाल

यह राष्ट्र-विरोधी गतिविधि :भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल में फलस्तीन समर्थक रैली में हमास नेता खालिद मशाल की मौजूदगी पर भाजपा ने चिंता जताई है। पार्टी के नेता दुष्यंत गौतम ने शनिवार को इसे राष्ट्र विरोधी गतिविधि बताया और राज्य की माकपा नीत सरकार से ऐसी किसी भी गतिविधि को रोकने को कहा। भाजपा नेता ने शुक्रवार को मलप्पुरम में आयोजित कार्यक्रम में हमास नेता खालिद माशेल की डिजिटल भागीदारी को लेकर भी भारतीय ब्लॉक पर निशाना साधा। कहा कि विपक्षी गठबंधन के सदस्य सनातन धर्म और हिंदू धर्म को नीचा दिखाने के लिए इस तरह के प्रयास कर रहे हैं। गौतम ने कहा, देश और भारत सरकार किसी भी आतंकवादी संगठन का विरोध करती है। हम हमास का विरोध करते हैं। बैठक में हमास नेता का शामिल होना राष्ट्र विरोधी गतिविधि है। राज्य सरकार को इसे रोकना चाहिए। इंडिया गठबंधन के लोग सनातन धर्म और हिंदू धर्म को नीचा दिखाने के लिए लगातार इस तरह के प्रयास कर रहे हैं। हमास नेता ने केरल में जमात-इस्लामी की युवा शाखा सॉलिडैरिटी यूथ मूवमेंट द्वारा

आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। हमास के पूर्व प्रमुख मशाल ने सभा को अरबी भाषा में डिजिटली संबोधित किया। केरल भाजपा प्रमुख के. सुरेंद्र ने कहा, इस तरह के आयोजन अस्वीकार्य हैं और उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, मलप्पुरम में एकजुटता कार्यक्रम में हमास नेता खालिद माशेल का डिजिटल संबोधन चिंताजनक है। (मुख्यमंत्री) पिनरई विजयन की पुलिस कहां है? फलस्तीन बचाओ की आड़ में वे एक आतंकवादी संगठन हमास और उसके नेताओं को योद्धाओं के रूप में महिमा मंडित कर रहे हैं। यह अस्वीकार्य है! केंद्रीय गृहमंत्रालय। इस्राइल-हमास युद्ध शनिवार को 22वें दिन में प्रवेश कर गया है। भारत ने सात अक्तूबर को इस्राइल पर हुए भयावह आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद के सभी स्वरूपों का मुकाबला करने के लिए साथ खड़ा होना चाहिए और इसमें कोई समानता नहीं सकती। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस महीने की शुरुआत में एख मीडिया ब्रीफिंग की थी, जिसमें उन्होंने कहा था, फलस्तीन एक मुद्दा था और उस हमने द्विराष्ट्र समाधान स्थापित करने के लिए सीधी बातचीत के पक्ष में अपनी स्थिति दोहराई है। हमने नागरिकों के हताहत होने और मानवीय स्थिति के बारे में भी अपनी चिंता व्यक्त की है। हम अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सख्ती से पालन करन का आग्रह करते हैं।

अग्निपथ योजना पर भड़के राहुल गांधी

शहीदों के बलिदान में भेदभाव और बहादुरों के अपमान का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्र सरकार की स्कीम को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने सेना से जुड़ी अग्निपथ योजना पर टिप्पणी की और कहा, शहीदों के बलिदान में भेदभाव सैनिकों का अपमान है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की अग्निपथ स्कीम को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने शनिवार को अग्निवीरों और नियमित जवानों के परिवारों का जिक्र कर कहा, शहीदों के बलिदान में भेदभाव सैनिकों का अपमान है। राहल ने शहीद जवानों की शहादत के बाद मिलने वाले लाभ की शर्तों में अंतर का हवाला दिया। बता दें कि राहुल अग्निपथ योजना की मुखर आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर एक चार्ट साझा कर कहा, ÷शहीदों के बलिदान में भेदभाव उनका अपमान है।÷ उन्होंने जोर देकर कहा कि हर शहीद के खून का मूल्य समान होना चाहिए। राहुल ने एक्स पोस्ट में चार्ट शेयर किया जिसमें अग्निवीरों के परिवारों को कर्तव्य के दौरान अपनी जान देने के बाद नियमित सैनिकों की तुलना में कम लाभ दिखाया गया है। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में भी आरोप लगाया था कि अग्निपथ योजना भारत के बहादुरों का ÷अपमान÷ करने के लिए तैयार की गई थी, क्योंकि अग्निवीरों की शहादत के बाद उनके परिवारों को कोई पेंशन या अन्य लाभ नहीं दिया जाता है।

सियाचिन में जवान की शहादत, राहुल का बयान

हालांकि, सत्तारुढ़ बीजेपी ने राहुल गांधी के आरोपों का खंडन किया था। राहुल ने अग्निवीर गवते अक्षय लक्ष्मण की तस्वीर साझा की थी और कहा था कि सियाचिन में उनकी मृत्यु की खबर दुखद है। कांग्रेस सांसद ने कहा था, ÷उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। एक जवान देश के लिए शहीद हो गया - उसकी सेवा के लिए कोई ग्रेच्युटी नहीं, कोई अन्य सैन्य सुविधाएं नहीं, और शहादत पर उसके परिवार को कोई पेंशन नहीं। राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था, %%अग्निवीर भारत के नायकों का अपमान करने की एक योजना है।%% गौरतलब है कि लक्ष्मण की पिछले शनिवार तड़के सियाचिन में ड्यूटी के दौरान मौत हो गई।

शहीदों के बलिदान में भेदभाव उनका अपमान है।

हर शहीद के खून का मोल एक समान होना चाहिए। बता दें कि अग्निपथ योजना 2022 के तहत सेना के तीनों अंगों- थल सेना, नौसेना और वायु सेना में सैनिकों की भर्ती के नियम बदले हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सैन्य आधुनिकीकरण और रक्षा बलों में आयु से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए अब अधिकतम चार साल तक की अवधि वाली अल्पकालिक संविदा भर्ती शुरू की गई है।

देवबंद में हाईवे पर लगा मिला कनाडा का झंडा, अफसरों में मचा हड़कंप, खुफिया विभाग अलर्ट

एजेंसी, सहारनपुर। भारत और कनाडा में राजनीतिक तलिख्यों के बीच सहारनपुर-मुजफ्फनगर स्टेट हाईवे-59 पर कनाडा देश का झंडा लगा होने से खुफिया विभाग और पुलिस में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर झंडा उतार लिया था। हालांकि अधिकारी इससे साफ इंकार कर रहे हैं। नागल थाना क्षेत्र के खटौली रोड पर लगे साइन बोर्ड के ऊपर कनाडा देश का झंडा लगा हुआ था। भारत और कनाडा के बीच तनातनी के दौरान हाईवे पर कनाडा का झंडा लगाए जाने के पीछे क्या उद्देश्य है, इसको किसने लगाया और यह झंडा आया कहां से। पुलिस और खुफिया विभाग के लिए इन सवालों का जवाब तलाशना बेहद जरूरी है। वहीं, बताया जाता है कि उक्त झंडा पिछले एक सप्ताह से हाईवे पर लगा हुआ था। लेकिन हैरानी की बात है कि इस पर किसी की नजर क्यों नहीं पड़ी। बता दें, कि उक्त स्थान से कुछ दूरी पर ही पनियाली गांव है। जहां क्षेत्र का बड़ा गुरुद्वारा मौजूद है।

नितीश कुमार तोड़ेंगे इलेक्शन न लड़ने की परंपरा?

यूपी से मिला चुनाव लड़ने का न्योता

एजेंसी

पटना। जदयू की उत्तर प्रदेश इकाई ने शनिवार को पुनः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से यह आग्रह किया कि वे यूपी के फूलपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ें। यह भी आग्रह किया कि वे कुछ महीने यूपी में भी चुनाव प्रचार करें। जदयू के अतिरिक्त कई अन्य छोटे-छोटे दलों के लगभग एक सौ प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री की बैठक हुई। लगातार आग्रह पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिसंबर में वह यूपी का दौरा करेंगे।

फूलपुर सीट का है विशेष महत्व

यूपी जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सत्येंद्र पटेल ने कहा कि नीतीश कुमार यूपी में फूलपुर के अलावा जिस सीट से लड़ेंगे उनकी जीत होगी। मालूम हो कि नीतीश कुमार ने कई सालों से सीधा चुनाव नहीं लड़ा है। वहीं, फूलपुर का महत्व इस लिहाज से अधिक है कि कई पूर्व प्रधानमंत्री फूलपुर से चुनाव लड़ चुके हैं। जदयू नेताओं ने कहा कि हमलोग नीतीश कुमार को आईएनडीआईए की तरफ से प्रधानमंत्री पद का चेहरा मानते हैं। यूपी से पहुंचे कई छोटे दल के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे जदयू में अपना विलय चाहते हैं। विलय को लेकर होने वाला आयोजन यूपी में ही किया जाए।

यूपी के जदयू नेताओं ने किया बड़ा दावा

यूपी के जदयू नेताओं ने यह दावा किया कि उनके यहां लगभग दो दर्जन सीटें इस श्रेणी की हैं, जहां उनकी बूथ स्तर तक तैयारी है। इसके अलावा बहुत-सी सीटों पर उनलोगों द्वारा संगठन के स्तर पर काम चल रहा है। यूपी में जदयू सदस्यता अभियान भी आरंभ करेगा। बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, वित्त मंत्री विजय चौधरी व यूपी के जदयू प्रभारी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार भी मौजूद थे। यूपी से जन अधिकार पार्टी के बाबू सिंह कुशवाहा, अपना दल (बलिहारी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनराज पटेल, जदयू के चंद्रप्रताप पटेल, महेंद्र राजभर, डॉ. श्रीराम सिंह चौहान व जगन्नाथ सिंह चौहान भी मुख्यमंत्री की बैठक में थे। वहीं किसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएल वर्मा ने जदयू की सदस्यता ग्रहण भी कर ली।

महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर सदर कैंट में प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धा सुमन अर्पित किया

द अचीवर टाइम्स ङ्क निखिल मिश्रा

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह कल अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे। रक्षा मंत्री सर्वप्रथम आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर सदर कैंट में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की और बाल्मीकि जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी महापौर सुषमा खर्कवाल, सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। राजनाथ सिंह ने वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना करके भगवान राम के चरित्र का जिस प्रकार वर्णन किया है सैकड़ो वर्षो से लगातार भगवान राम के उस चरित्र का मंचन किया जाता है। महर्षि वाल्मीकि के भगवान राम आज करोड़ों लोग जो भारत की सीमा में रहने वाले हैं व जो भारत की सीमा के बाहर दूसरे देशों में रहने वाले सबके लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। महर्षि वाल्मीकि ने जिस मर्यादा में भगवान राम के संबंध में व उनके जीवन लीला के संबंध में जो लिखा है वह अद्भुत है, बेजोड़ है। भगवान राम को महर्षि वाल्मीकि ने इस रूप में चित्रित किया है जन्म से लेकर मरण तक यदि किसी का नाम लिया जाता है केवल भगवान राम का ही नाम लिया जाता है। महर्षि वाल्मीकि ने उन्हें केवल राजा के रूप में ही नहीं बल्कि एक लोकनायक के रूप में लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने का काम किया है। इतना ही नहीं महर्षि वाल्मीकि के राम युगपुरुष है वह राम संस्कार पुरुष है वह राम अवतार पुरुष है वह राम मर्यादा पुरुषोत्तम है और वह राम धर्म की प्रतिमूर्ति है ऐसे राम का चित्रण महर्षि वाल्मीकि ने अपनी बाल्मीकि रामायण में किया है। रक्षा मंत्री ने वाल्मीकि समाज के बारे में कहा कि मध्ययुगीन भारत में विदेशी आक्रमण करते थे पंथ परिवर्तन यानी धर्म परिवर्तन हो रहा था वाल्मीकि समाज एक ऐसा समाज रहा है जिसने किसी भी सूरत में पंथ परिवर्तन स्वीकार नहीं किया था। ऐसा वाल्मीकि समाज रहा है जिसकी जितनी भी सराहना की जाए कम है। उन्होंने कहा महर्षि वाल्मीकि को किसी भी जाति से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। महर्षि वाल्मीकि जो भी भगवान राम के प्रति आस्था रखते हैं उन सबके हैं। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आज जब मैं लखनऊ जा रहा हूं मैंने फैसला किया कि उनकी जयंती पर माल्यार्पण करके अपना श्रद्धा सुमन अर्पित करूंगा। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में लखनऊ महानगर उपाध्यक्ष सौरभ वाल्मीकी,राम सिंह बाल्मीकि,रूपा देवी बाल्मीकि,राजू वाल्मीकि,राहुल बाल्मीकि,मंडल अध्यक्ष रंजीता शर्मा,विनायक पांडे,पीयूष दीवान, सचिन वैश्य,पार्षद गण व बाल्मीकि समाज के लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता विराट कुश्ती प्रतियोगिता का सहकारी बैंक अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

❖ नेपाल का थापा पहलवान बना दंगल केसरी, महिला पहलवानों की कुश्तियां रहीं बड़ी रोचक।

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी में काकोरी के बबुरिया खेड़ा,बड़ागांव में हर वर्ष की भांति एक दिवसीय राष्ट्रीय एकता विराट कुश्ती प्रतियोगिता दंगल एवं रात्रि में मशहूर नौटंकी रम्पत हरामी का आयोजन ब्लाक प्रमुख नीतू यादव पत्नी लल्लू यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य द्वारा किया गया।जिसमें नामीगिरामी पहलवानों की रोमांचक कुश्तियों का करतब देख लोग कौतूहल से भर उठे।बतौर मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने फीता काटकर कर दंगल का शुभारंभ किया।दंगल का समापन भाजपा जिलाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने अंतिम कुश्ती के पहलवानों को हाथ मिलवाकर किया।आयोजक पहलवान लल्लू यादव ने कामयाब पहलवानों को नगद तथा शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया।प्रतियोगिता के संयोजक अधिवक्ता शिशिर यादव ने पहलवानों एवं अतिथियों का स्वागत किया।पहलवानों में एक से एक अचरज भी देखे गये।प्रतियोगिता में महिला पहलवानों की कुश्तियों का भी खासा आकर्षण दिखा। मुख्य अतिथि सहकारी बैंक अध्यक्ष वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि कुश्ती हमारे खेल की सबसे प्राचीन विरासत है।कुश्ती शरीरिक स्फूर्ति के लिए संजीवनी हुआ करती है।प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के जनपदों के अलावा दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमांचल प्रदेश, महाराष्ट्र, कलकत्ता, असम, गोवा सहित नेपाल देश के पहलवानों ने अपने कर्तव्य दिखाया। दंगल प्रतियोगिता का संचालन जालौन के पहलवान संदीप राणा व रेफरी की भूमिका झाँसी के पहलवान बालमुकुंद ने निभाई।सबसे बड़ी कुश्ती नेपाल केसरी का खिताब हासिल करने वाले नेपाल देश के पहलवान थापा व बाबा पहलवान की बीच हुई।करीब 17 मिनट तक हुई कुश्ती में थापा पहलवान विजेता व बाबा पहलवान उपविजेता का खिताब हासिल किया।प्रतियोगिता में लखनऊ पश्चिम के पूर्व प्रत्याशी अंजनी श्रीवास्तव,जिलाउपाध्यक्ष हंसराज लोधी,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण लोधी,चेयरमैन रोहित साहू,ग्रामीण पत्रकार कल्याण समिति उत्तर प्रदेश चेयरमैन एवं सहकारी संघ अध्यक्ष केशरी राव धारा सिंह यादव,अमर सिंह चौहान,सपा नेता ज्ञानेंद्र सिंह यादव ज्ञानू,सपा मलिहाबाद विधानसभा पूर्व अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव सहित हजारों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

एक नज़र

टाइफाइड व डेंगू के कहर से नौ वर्षीय बालिका की निजी अस्पताल में मौत

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

माल। उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ क्षेत्र में फैले टाइफाइड व डेंगू के कहर से नौ वर्षीय बालिका की निजी अस्पताल में मौत हो गयी। क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी राजू ने बताया कि मृतक भतीजी मानवी को पांच दिन पहले बुखार आया था जिसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गये थे। वहां पर हालात नही सुधरने पर उसे एक निजी अस्पताल लेकर गए जहां इलाज के दौरान भतीजी की मौत हो गयी। भतीजी के पिता की मौत कुछ वर्ष पहले हो चुकी है उसे हमलोग ही पाल पोस रहे थे। लगातार संक्रामक रोगों से हो रही मौत से क्षेत्रीय लोगो मे स्वास्थ्य विभाग को लेकर नाराजगी व्याप्त है। लतीफ पुर निवासी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि गांवों में एंटी लार्वा व फॉगिंग की व्यवस्था नही की गयी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कुछ विशिष्ट लोगो को ही पूरी दवा दी जाती है शेष को पेरासिटामोल व बी काम्प्लेक्स देकर विदा कर दिया जाता है। संक्रामक रोग इससमय चार्म सीमा पर है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक संदीप प्रताप सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जानकारी जुटा रहे है कि मौत किन कारणों से हुई है।

थाना समाधान दिवस में इंस्पेक्टर संतोष आर्या ने सुनी जन समस्याएं

द अचीवर टाइम्स अनुराग तिवारी

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज समाधान थाना दिवस में प्रभारी निरीक्षक संतोष आर्या ने सुनी जन समस्याएं । थाना समाधान दिवस में कानूनगो को छोड़कर उच्च अधिकारी वा लेखपाल दिखे नदारद जिसको लेकर राजस्व संबंधित प्रार्थना पत्रों का निस्तारण नहीं हो सका फिलहाल राजस्व संबंधित प्रार्थना पत्रों को भी प्रभारी निरीक्षक संतोष आर्या ने संबंधितों को सौंप कर जांच के लिए दे दिया है। प्रभारी निरीक्षक संतोष आर्या ने बताया कि फरियादियों की शिकायतों को लेकर संबंधितों को जांच कर निस्तारण हेतु आदेशित किया गया है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं समाधान दिवस तहसील दिवस मैं फरियादियों को समाधान के बजाय सिर्फ आश्वासन ही मिलता है प्रार्थना पत्रों को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार के इस अभियान को सफल बनाने की बजाय जिम्मेदार सिर्फ खानापूर्ति में लगे हुए हैं।

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी के साथ थाना दिवस पर कोतवाली नगर और कोतवाली महराजगंज में लोगों समस्याएं सुनी

द अचीवर टाइम्स देवराज महराजगंज रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी के साथ थाना दिवस पर कोतवाली नगर और कोतवाली महराजगंज में लोगों की समस्याएं सुनी। आपको बता दें उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग की टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि भू-राजस्व के मामले में संयुक्त टीम बनाकर मामले की जांच की जाए और मौका मुआयना करने के उपरांत ही समस्याओं का निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को एक ही कार्य के लिए बार-बार दौड़ाया न जाए। महिला संबंधी प्रकरणो में तत्काल कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी के सामने पानी, बिजली, सड़क, सुरक्षा संबंधी मामले आए। जिसे उन्होंने निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

थाना दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। अक्टूबर माह के चतुर्थ शनिवार को थाना माखी में आयोजित हुए थाना समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। व गुणवत्ता पूर्वक त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को कड़ाई से निर्देशित किया गया। थाना समाधान दिवस में कुल 7 प्रार्थना पत्र मौके पर प्राप्त हुए। जिनमें से एक प्रार्थना पत्र का तत्काल निस्तारण किया गया। 6 प्रार्थना पत्रों का निस्पक्ष कार्यवाही हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। कि निष्पक्ष जांच कर त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित का निस्तारण किया जाए। थाना समाधान दिवस में राजस्व संबंधित समस्या को लेकर (सराय) मांखी से आई पीड़ित महिला ने प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या को बताया तो उक्त थाना समाधान दिवस में संबंधित क्षेत्रीय लेखपाल को बुलाया गया तो पता चला वह मौके पर मौजूद नहीं है। थाना समाधान दिवस उनको बुलवाया गया तो पता चला बेल्सी चौराहे पर चाय का आनंद लेते हुए पाए गए। जिससे थाना क्षेत्र में अपराधों पर व अपराधियों पर अंकुश लग सके थाना समाधान दिवस के अवसर पर मुख्य रूप से थाना प्रभारी मांखी की जिम्मेदारियों का थाना समाधान दिवस में निर्वहन करते हुए मुख्य रूप से उपनिरीक्षक वीरेंद्र यादव व थाने का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मानवता ही सबसे बड़ा धर्म, फेशर्स को दिलाई शपथ

❖ तेरी है ज़मीन तेरा आसमां पर प्रस्तुति देकर फेशर्स ने बांधा समां।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बीकेटी लखनऊ। बीकेटी के वार्ड भौली में स्थित मां चंद्रिका देवी पैरामेडिकल साइंसेज इंस्टीट्यूट में एक फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इस फेयरवेल पार्टी में फ्रेशर्स को मोमबत्ती की रोशनी में मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है की शपथ दिलाई गई। इस फेयरवेल पार्टी का मकसद फ्रेशर्स को यह सिखाना था कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। इस मौके पर संस्थान की प्रबंध निदेशक डॉ गायत्री सिंह ने कहा यह हमारे संस्थान का सातवां फेयरवेल समारोह है। डॉ सिंह ने कहा कि मेडिकल प्रोफेशन में हम सभी फ्रेशर्स में यह जागरूकता लाना चाहते हैं कि हमारे प्रोफेशन में सिर्फ एक धर्म की पूजा होती है उसका नाम मानवता है। डॉ सिंह ने कहा कि ईश्वर एक है, मेरे ख्याल से भारत देश में सिर्फ दो विभाग होने चाहिए महिला व पुरुष इसके अतिरिक्त किसी विभाग की कोई आवश्यकता नहीं है। कार्यक्रम में एसपी सिंह डीन मोतीलाल नेहरू कालेज प्रयागराज ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर सभी का मन मोह लिया।

सहकारी समिति बंद होने की कगार पर किसी भी समय ढह सकती है

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

बीकेटी लखनऊ। सरकार व शासन ने किसानों के हित के लिए साधन सहकारी समितियों की स्थापना की थी जिससे किसान इन समितियों से खाद बीज व अन्य सामान मुहैया हो सके पर यह समितियां गोरखधंधा बनकर रह गई हैं। इन समितियों के भवन इतने खस्ताहाल हैं कि किसी समय ढह सकते हैं। एक जानकारी के अनुसार इटौंजा क्षेत्र में लगभग 19 साधन सहकारी समितियां हैं। नगर चौगवां सिंघामऊ उसरना कुंडापुर इटौंजा अटेसुआ पहाड़पुर कुम्हरांवा महिगवां तथा अन्य समितियां हैं। इनमें इटौंजा शिवरी भगौतापुर कुम्हरांवा भीखमपुर तथा अन्य समितिया निष्क्रिय पड़ी है। इन समितियों से किसानों को रासायनिक खाद एवं उन्नतशील बीज व अन्य चीजें मुहैया नहीं हो पा रही हैं।इन निष्क्रिय समितियों से किसानों को एक पाई का भी लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस समिति में काफी अरसे से ताला झूल रहा है। अन्य समितियों का इससे भी गया गुजरा हाल है। सरकार व शासन की उपेक्षा के चलते यह समितियां बंद पड़ी हैं। किसान रबी खरीफ व जायद की फसल के लिए सक्रिय समितियों में खाद पाने के लिए गणेश परिक्रमा करता रहता है। इन समितियों में खाद ना मिलने से किसानों को डीएपी यूरिया व अन्य खादो को प्राइवेट दुकानों से ऊंचे दामों पर खरीदना पड़ता है। इतना ही नहीं समितियों से भी उसे ब्लैक में ही खाद खरीदनी पड़ती है। इन समितियों के भवन मात्र शो-पीस बनकर रह गए हैं। इन बंद समितियों की सारी गतिशीलता कागजों में सिमट कर रह गई है। जब इस संबंध में साधन समिति के एक अधिकारी से जानकारी चाही तो संपर्क नहीं हो सका। किसानों का कहना है कि यदि सरकार इन समितियों पर पहले से ही अंकुश लगाती तो इनकी आज यह दशा ना होती।

देवा मेला एवं प्रदर्शनी के सम्बन्ध में गोष्ठी एवं मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए

द अचीवर टाइम्स अनुराग मल्होत्रा

बाराबंकी। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार व पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा थाना देवा क्षेत्रान्तर्गत आयोजित होने वाले देवा मेला एवं प्रदर्शनी के सम्बन्ध में देवा ऑडिटोरियम में अधीनस्थों के साथ गोष्ठी आहूत की गई एवं मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । उक्त गोष्ठी में अपर जिलाधिकारी बाराबंकी, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आशुतोष मिश्रा , क्षेत्राधिकारी नगर बीनू सिंह, प्रभारी निरीक्षक देवा पंकज कुमार सिंह व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

लंका दहन से रावण नगरी में मची हाहाकार

❖ रावण का किया गया वध,उसके बाद रावण के पुतले को किया गया दहन।

दअचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

लखीमपुर खीरी। फरधान खीरी श्री राम सीता को खोजते खोजते शबरी के आश्रम में पहुँचते हैं। वहाँ शबरी श्री राम को मीठे बेर खिलाती है और शबरी उन्हें पम्पापुर का रास्ता बताती हैं और सुग्रीव से मित्रता के लिये कहती हैं। तब श्री राम लक्ष्मण किष्किंधा पर्वत पर पहुँचते हैं। वहाँ हनुमान जी से उनका परिचय होता है हनुमान जी उन्हें सुग्रीव के पास ले जाते हैं, सुग्रीव अपनी व्यथा श्री राम को सुनाते हैं। और बाली के बारे में बताते है मायावी बाली सुग्रीव से लड़ने आता है। श्री राम बाली का वध करते है। वर्षा ऋतु के पश्चात सभी वानर सेना सीता जी की खोज करते करते समुद्र तट पर पहुँचते है। और हनुमान जी को उनके बल की याद दिलाते हैं। हनुमान जी समुद्र लांघ कर लंका में पहुँचते है सीता माता से मुलाकात कर उनसे आज्ञा लेकर उद्यान में फल खाने जाते हैं, वहाँ रावण का पुत्र अक्षय कुमार उनसे लड़ने आता है और हनुमान के हाथों मारा जाता है। मेघनाथ हनुमान जी को ब्रह्म फांस में बांधकर हनुमान जी को रावण के समक्ष ले जाते हैं। हनुमान जी रावण को बहुत समझाते हैं रावण हनुमान जी की पूँछ में आग लगवा देता है हनुमान जी पूरी लंका को ही जला देते हैं। उसके बाद कलाकारों ने रामलीला मंचन और रावण वध की लीला दिखाई। इसके बाद रावण के पुतलों का दहन किया गया।श्रीराम-रावण युद्ध, रावण का राम को नीति शास्त्र की शिक्षा देना, राम-सीता मिलाप की लीला का मंचन किया गया। इसके बाद आतिशबाजी के साथ रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इधर रामलीला समिति की ओर से रामलीला भवन से शोभायात्रा निकाली गई जिसमें रावण का पुतला, रावण की सेना, श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान व वानर सेना शामिल रही। श्रीराम-रावण युद्ध का मंचन किया गया। इसके बाद आतिशबाजी के साथ रावण के पुतले का दहन कर दिया गया। इस मौके पर अमित मिश्रा, उमेशचंद्र तिवारी आदि मौजूद रहे। धू धू कर जला रावण, रावण के पुतले का दहन किया गया। पुतला दहन से पहले श्रीराम और रावण का युद्ध हुआ, जिसके बाद रावण के पुतले का दहन किया गया।

करवा चौथ के पवित्र व्रत की बड़ी रौनक

महिलाओं ने पतिदेव की जब पर डाका डाला

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

बीकेटी लखनऊ। बुधवार को बाजार में करवा चौथ व्रत के चलते काफी रश देखने को मिलेगा। विवाहित महिलाएं का महत्वपूर्ण व्रत करवाचौथ है। पति के मंगलकामना और दीर्घायु के लिए करवा चौथ व्रत को लेकर महिलाएं बड़ी संख्या में ब्यूटी पार्लरी में पहुँच रही है। इटौंजा महोना अमानीगंज कुम्हरांवा में कपड़े, ज्वैलरी, चूड़ी इत्यादि की दुकानों में महिलाएं जमकर खरीदारी कर रही है। इससे बाजार में नई रौनक लौट आई है। करवाचौथ पर्व को लेकर ग्रामीण इलाकों तक बाजार गुलजार है। सुहागिनें उत्साह के साथ खरीदारी कर रही है। बाजारों में इन दिनों काफी चहल-पहल बढ़ने लगी है। ज्यादा भीड़ आर्टिफिशियल ज्वेलरी, कपड़ा व गिफ्ट शाप पर देखी जा रही है। महिलाओं को आर्टिफिशियल इयर रिंग व गले के सेट खूब भा रहे है। इयर रिंग व गले की सेट की अधिक डिमांड है। इसलिए अधिकांश महिलाएं आर्टीफिशियल ज्वेलरी को अधिक तरजीह दे रही है। करवाचौथ पर नई साड़ी खरीदने की परंपरा है। इसलिए कपड़ा बाजार में करवाचौथ को लेकर उल्लास दिख रहा है। इस बार अभी से महिलाएं साड़ी व अन्य सामानों की खरीद करने के लिए निकल रही है। इस बार करवाचौथ 1 नवंबर को है। दुकानदारों ने यह भी बताया कि 1000 से 5000 तक की साड़ी खूब बिक रही है। इसमें अरगंजा बनारसी पैटर्न, टसर सिल्क व ब्रसो की साड़ियां महिलाओं की पहली पसंद है। विक्रेता रिंकू मदान ने बताया कि प्योर सिल्क, शिफान साड़ियों की अधिक मांग है। लाल रंग इस पर्व का प्रतीक है जिससे महिलाओं को लाल रंग की साड़ियां लेने में ज्यादा उत्साहित है।

डॉक्टर मरीजों को लिख रहे अंधा धुंध बाहर की दवा

❖ चिकित्सक यह भी मरीज को बता देते हैं कि बाहर प्राइवेट पैथोलॉजी में जांच कहां कराना है।

❖ डॉक्टर को मिलता है कमीशन इसलिए लिखते हैं बाहर की दवाई,सूत्र।

❖ बिना पंजीकरण सजे कई मेडिकल स्टोर व पैथालॉजी में सैकड़ों मरीजों को प्रतिदिन महंगी दवा व जांच के लिए भेजा जाता है।

द अचीवर टाइम्स – निखिल मिश्रा

माल। सरकार की ओर से एक रुपए में बेहतर इलाज का वादा छलावा बनकर रह गया है बीमार अस्पतालों को खुद दवा की दरकार है। डॉक्टर मरीजों को लिख रहे अंधाधुंध बाहर की दवाईयां जिससे डॉक्टर को मिलता है कमीशन इसलिए लिखते हैं बाहर की दवाईयां। दवाएं बाहर से लिखी जाने से गरीब मरीजों की ढीली हो रही है जेब। आपको बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल पर प्रत्येक मरीज को बाहर की जांच व दवाई लिखना आम बात हो गई है। वहीं सीएचसी अधीक्षक सभी दवाईयां उपलब्ध होने और सभी जांचे अस्पताल में होने का दावा करते हैं। स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक के अरमानों पर सीएचसी अधीक्षक पानी फेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। चिकित्सकों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल के बाहर बिना पंजीकरण सजे कई मेडिकल स्टोर व पैथालॉजी में सैकड़ों मरीजों को प्रतिदिन महंगी दवा व जांच के लिए भेजा जा रहा है। माल क्षेत्र के विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि मेडिकल स्टोर व चिकित्सकों के मध्य मेडिकल रिप्रजेंटेटिव डील करवाकर मनचाही दवाईयां महंगे दामों पर बेचते हैं। वहीं सूत्रों की मानें तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा जो भी दवाइयां मरीजों को बाहर से लिखी जाती हैं मरीज वह सारी दवाइयां लेकर पुनः फिर चिकित्सक को दिखाने आते हैं। जबकि स्वास्थ्य केंद्र के अंदर सीसीटीवी कैमरा भी लगा है लेकिन इतनी सुविधा होने के बावजूद फिर भी किसी जिम्मेदार की नजर नहीं पड़ रही है। जिम्मेदार अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर बैठे हुए हैं। चिकित्सक अपने कमीशन के चक्कर में मरीज को बाहर से महंगी दवाइयां लिखने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यहां तक की चिकित्सक यह भी मरीज को बता देते हैं कि बाहर प्राइवेट पैथोलॉजी में जांच कहां कराना है। इतना ही नहीं दवा की कंपनियों के एजेंट आते हैं और चिकित्सक के पास में बैठकर बातचीत करते हैं कि,यह हमारी कंपनी की दवा मरीजों को लिखिए जो आपका कमीशन होगा वह मिलेगा। वहीं जांच करने वाले प्राइवेट पैथोलॉजी के लोग भी स्वास्थ्य केंद्र आते हैं और चिकित्सकों से मरीजों को हमारी पैथालॉजी में भेज कर जांच करवाने की बात कहते हैं। इसके बाद पैथालॉजी की तरफ से भी कमीशन मिलता है। इस तरह से जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। जिसका परिणाम क्षेत्र की भोली भाली जनता को भुगतना पड़ रहा है। अक्सर दवाएं बाहर से लिखी जाने से गरीब मरीजों की ढीली हो रही है जेब जिम्मेदार अधिकारी मैन।

फर्जी तरीके से पेट की परीक्षा दे रहे दो साल्वर गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। उन्नाव में पेट परीक्षा में साल्वर पकड़ा गया। इसके साथ ही दूसरे को पुलिस ने डिवाइस के साथ दबोच लिया। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा उन्नाव में शनिवार को कराई जा रही प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) की पहली पाली परीक्षा में जांच अधिकारियों ने अलग-अलग स्कूलों से दो लोगों को दबोचा। इनमें से एक इलेक्ट्रानिक डिवाइस के सहारे जानकारी लेते हुए परीक्षा दे रहा था। वहीं दूसरा एक छात्र से 25 हजार रुपये लेकर उसके स्थान पर परीक्षा देने पहुंचा था। शनिवार सुबह 10 बजे से जिले में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) शुरू हुयी। जिले के 14 केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने के बाद से ही सेक्टर जोनल मजिस्ट्रेट ने सभी केंद्रों पर चेकिंग शुरू कर दी थी। इस दौरान सदर कोतवाली क्षेत्र के दो परीक्षा केंद्रों से सोओ सिटी आशुतोष कुमार के नेतृत्व में चेकिंग की गई। इस दौरान अधिकारियों ने दो संदिग्ध परीक्षार्थी पकड़े इसमें सर सैय्यद पब्लिक स्कूल से साल्वर मुकेश कुमार पुत्र श्यामनंदन यादव निवासी करहरा पोस्ट सेंधा जिला पटना बिहार को दबोचा गया। वह किसी दूसरे छात्र के स्थान पर 25 हजार रुपये लेकर परीक्षा देने पहुंचा था। जबकि जी स्कूल से सुजीत पटेल पुत्र श्याम बहादुर निवासी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज को हिरासत में लिया गया। उसके पास से एक इलेक्ट्रानिक डिवाइस मिली। जिसका इस्तेमाल वह परीक्षा देते समय कर रहा था। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

अफसरशाही के आगे फीका पड़ रहा मुख्यमंत्री का आदेश

कानपुर देहात के उपजिलाधिकारी नहीं मानते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आदेश

❖ लेखपाल, कानूनगो व क्षेत्रीय पुलिस की साठ गांठ के चलते किसान आत्महत्या करने को मजबूर।

द अचीवर टाइम्स आनंद पांडेय

कानुपर। कानपुर देहात हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए गए थे कि नामांतरण, पैमाइश, वरासत, पारिवारिक बंटवारे जैसे आमजन से जुड़े राजस्व वादों के निस्तारण में अनावश्यक लेटलतीफी नहीं होनी चाहिए और तारीख पर तारीख की प्रवृत्ति को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिसके बाद विशेष कार्य अधिकारी राजस्व परिषद अजय कुमार ने इस संबंध में मंडलों और जिलों को निर्देश भेजे कि विभिन्न राजस्व न्यायालय में दाखिल और लंबित मामलों का निस्तारण अभियान चलाकर किया जाए इसमें हर स्तर पर प्रस्तुत शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा साथ ही राजस्व परिषद ने भूमि संबंधी विवादों में निस्तारण के बाद सूचना मुख्यालय पर देने का भी निर्देश दिया था। बता दे कि द अचीवर टाइम्स की टीम द्वारा कानपुर देहात के किसानों का हाल जाना गया जिसमें किसानों ने अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि कानपुर देहात में मुख्यालय माती से चंद कदम की दूरी पर स्थित तहसील अकबरपुर में तहसीलदार,लेखपाल आदि राजस्व कर्मियों द्वारा जमीन के मामलों में लेटलतीफी और तारीख पर तारीख की प्रवृत्ति खत्म होने का नाम नहीं ले रही साथ ही अकबरपुर में मौजा मुस्तफाबाद जुग्गापुरवा के रामकुमार ने मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि उसका खेत कुल दो बीघा पांच विसवा गाटा की खसरा संख्या 37 में दर्ज है लेखपाल,कानूनगो व क्षेत्रीय पुलिस की साठ गांठ के चलते भू माफियाओं द्वारा खेत को कब्जा कर लिया गया जिसके बाद पीड़ित द्वारा पांच साल से तहसील अकबरपुर के चक्कर लगाए जा रहे हैं इसी बीच पीड़ित के खेत की कई बार पैमाइश हुई लेकिन भूमाफियाओं की दबंगई के आगे पीड़ित को अपने खेत पर कब्जा नहीं मिल पाया अब पीड़ित कुल खेत का तेईस विसवा की जुताई बुवाई कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है कानपुर देहात के अकबरपुर,संदलपुर, सरवन खेड़ा, पुखरायां, झींझक आदि ब्लाको में लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं पहुंच पा रहा है तहसील दिवस में उप जिलाधिकारी से शिकायत के बाद भी नहीं हो रहा समाधान कहीं घरों पर कब्जा,खेत में कब्जा,प्रधानमंत्री आवास योजना में धांधली जैसे तमाम मामलों में कानपुर देहात दिखाई पड़ रहा सबसे आगे कानपुर देहात में लचर व्यवस्था के चलते किसान आत्महत्या करने को हो रहा है मजबूर अब देखना यह है कि मुख्यमंत्री के आदेशों को पलीता लगाने वाले अफसरों पर कार्यवाही होती है या वह आदेशों का सशक्त पालन करते दिखाई पड़ेंगे।

35.42 लाख की लागत से बनी इंटरलाकिंग रोड का उद्घाटन सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने फीता काटकर किया

द अचीवर टाइम्स अनुराग मल्होत्रा

मसौली बाराबंकी। निन्दूरा विकास खण्ड की ग्राम उमरा मजरे भडेहापुर में डामर रोड से सियाराम रावत के घर त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत 35.42 लाख की लागत से बनी इंटरलाकिंग रोड का उद्घाटन सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने फीता काटकर किया। उद्घाटन पश्चात लोगो से रूबरू होते हुए सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने कहा कि देश का विकास गांव की गलियों से होता हुआ शहरों तक पहुंचता है तथा अच्छी सड़क ग्रामीण क्षेत्र के विकास की आधार है। मेरा लक्ष्य है कि क्षेत्र के सभी गांव-गलियों में पक्की सड़कें हों। उन्होंने कहा कि सरकार ने ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्र तक जो विकास का सांचा खींचा है, उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है तथा जनता के दिलों में भाजपा के प्रति बढ़ता प्रेम और विश्वास ही भाजपा की शक्ति है। इसी से देश विकसित भारत की ओर अग्रसर है। सबसे ज्यादा सडकें भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में मा0 प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी जी के नेतृत्व में बनी है और बनवाई भी जा रही है। इस मौके पर अभियंता प्रमोद कुमार गौतम, प्रदीप रावत विसाल सिंह विनय मौर्य नितिन मौर्य आरपी सिंह उमेश यादव विनय शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

एक नज़र

DM व SP ने थाना सूरतगंज की प्रस्तावित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया

द अचीवर टाइम्स अनुराग मल्होत्रा

बाराबंकी। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार व पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा जनपद बाराबंकी में नवीन थाना सूरतगंज की प्रस्तावित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया गया। नवीन थाना सूरतगंज का शीघ्र ही निर्माण कर संचालन किया जायेगा। भूमि के स्थलीय निरीक्षण में उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी फतेहपुर श्री रघुवीर सिंह, प्रभारी निरीक्षक मोहम्मदपुर खाला श्री विनोद कुमार तथा राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहें।

पुलिस सहायता केन्द्र बनाकर परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों एवं अन्य आवश्यकताओं के सम्बन्ध में ब्रीफ किया गया

संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आशुतोष मिश्र के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 बीनू सिंह के नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत रेलवे स्टेशन बाराबंकी पर जनपद में उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (क्ष्श्र्ङ) हेतु आने वाले परीक्षार्थियों की सहायता के लिए बाराबंकी पुलिस द्वारा अस्थाई पुलिस सहायता केन्द्र बनाकर परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों एवं अन्य आवश्यकताओं के सम्बन्ध में ब्रीफ किया जा रहा है। बाराबंकी पुलिस द्वारा रात्रि में आने वाली लड़कियों की रात्रि विश्राम/सुरक्षा हेतु रहने की व्यवस्था के.डी.सिंह बाबू स्टेडियम में किया गया है तथा लड़कों हेतु अन्य 06 लॉज की व्यवस्था की गयी है एवं साथ ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर संजय मौर्य व महिला थाना प्रभारी मय टीम के मौजूद रहकर परीक्षार्थियों की सहायता की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना पाली का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। पुलिस अधीक्षक केशवचंद गोस्वामी द्वारा थाना पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने में रखे अभिलेखों, कंप्यूटर, सीसीटीवी कैमरे व अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस, मालखाना, शस्त्रागार, बंदीगृह, मेस, बैरक, जलपान की व्यवस्था, सीज किए गए वाहनों का रखरखाव, महिला हेल्प डेस्क, थाने पर रखे सभी असलहो को चेक किया गया एवम् थाना परिसर की साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया, थाने पर मौजूद सरकारी वाहनों के रखरखाव व उनकी साफ सफाई पर ध्यान केंद्रित करने हेतु संबंधित को निर्देश दिए गए । इस दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय उप निरीक्षक हृदयराम यादव और पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

भिठौली पर सज रही अवैध बांस व कबाड़ मंडी का जिम्मेदार कौन

एलडीए, पुलिस और नगरनिगम की तिगड़ी ने बिगाड़ी भिठौली क्रासिंग की सूरत

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। जहां एक ओर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरे प्रदेश में लगातार अवैध अतिक्रमण व भू माफिया पर कार्यवाही करते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के जानकीपुरमछ थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित भिठौली क्रासिंग पर एलडीए ,नगर निगम व स्थानीय पुलिस प्रशासन के कुछ भ्रष्ट कर्मचारियों मिलीभगत से अवैध निर्माण कर बास व कबाड़ मंडी का संचालन होते नजर आ रहा है। वहीं जिम्मेदार के लापरवाह रवैए के चलते अवैध कब्जा धारक राजस्व को लाखों का चूना लगाते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर रेलवे क्रासिंग पर रेलवे फाटक बंद होने की स्थिति में लगनेछ वाले जाम का अहम कारण बनता नजर आ रहा है। जिससे पूर्व में कई दुर्घटनाएं घटित हो चुकी है। एवं भविष्य में भी कई बड़ी घटनाएं घटित होने की संभावनाएं बनी हुई है। लगातार विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के बावजूद जिम्मेदार नारदार बने नजर आ रहे हैं।

टूटी सड़क हादसों को देती दावत

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव । विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र के बंजरी बाबा मोड़ से सुब्बा खेड़ा गांव को जाने वाली सड़क जगह-जगह से टूटी हुई होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सड़क के बीचोंबीच बने हुए गहरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए खतरा बने हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क से वाहन लेकर गुजरना खतरे से खाली नहीं है। ग्रामीण आदित्य राजपूत, महंगू, सरवन लोधी, रामचंद्र, सहित अनेक लोगों का कहना है कि इस सड़क को लेकर वे पिछले लंबे समय से परेशान हैं परंतु टूटी हुई सड़क की ओर अभी तक किसी भी अधिकारी व विभाग ने ध्यान नहीं दिया है। क्षतिग्रस्त सड़क के कारण आए दिन वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे है। गौरतलब है कि सुब्बा खेड़ा, जगा खेड़ा, बुलंदपुर बिधनू, जगदीशपुर, आदि गांव के लोगों को जाने के लिए इसी सड़क मार्ग से गुजरना पड़ता है।

महर्षि वाल्मीकि ने भगवान राम के जीवन पर आधारित रामायण महाकाव्य की रचना करके समाज को एक नई दिसा दी - गोप

द अचीवर टाइम्स अनुराग मल्होत्रा

बाराबंकी । आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के जीवन और विचारों से हमको बहुत प्रेरणा मिलती उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलते हुए एकता और बंधुत्व को मजबूत करने के लिए हम सभी को निरंतर प्रयास करते रहना होगा, तभी हम एक सुंदर सुसज्जित विकसित समाज की स्थापना के सहभागी बन पाएंगे। उक्त विचार समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने महाकाव्य रामायण के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर देवा रोड वाल्मीकि नगर स्थित बाल्मिक मंदिर बाल्मीकि पर आयोजित कार्यक्रम में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कोटिशः नमन करने के उपरांत कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के बीच व्यक्त किये। इसी क्रम में आज जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री हिमांशु यादव के संचालन में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन पर चर्चा करने के लिए एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, विचार गोष्ठी में सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा महर्षि वाल्मीकि को हिंदू धर्म में सर्वश्रेष्ठ गुरु माना जाता है महर्षि वाल्मीकि जी ने भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित रामायण महाकाव्य की रचना करके समाज को एक नई दिशा देने का काम किया था इसलिए महर्षि वाल्मीकि जी को आदिकवि कहा जाता है। वाल्मीकि जी के विचारों को आत्मसार कर कर ही ही जीवन को सफल बनाया जा सकता है इसलिए हम सबको महर्षि वाल्मीकि जी के विचारों से प्रेरणा लेते हुए अपने मन से नफरत और द्वेष भावना को समाप्त करने का प्रण लेकर समाज में एकता और भाईचारे को आगे बढ़ने का काम करना होगा तभी हम महर्षि वाल्मीकि जी की दी हुई शिक्षा और विचारों को सही मायने मे मूर्त रूप दे सकेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद, प्रदेश सचिव हुमायूं नईम खान, राजेंद्र वर्मा पप्पू, जिला महामंत्री हिमांशु यादव, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान, जिला उपाध्यक्ष अजय वर्मा बबलू, कामता प्रसाद यादव, नसीम कीर्ति, प्रदुमन यादव, रिजवान संजय,जसवंत यादव, जिला सचिव सिराज उस्मानी, प्रबुद्ध सभा जिला अध्यक्ष करण कुमार मिश्रा, ललित कुमार मिश्रा बाबुल आदि प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

साहब का कार्य करने का निराला तरीका

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

मिश्रिख सीतापुर। विभिन्न समस्याओं से ग्रसित फरियादियों द्वारा समस्या समाधान के लिए तहसील प्रशासन को दिए जाने वाले प्रार्थना पत्र प्रायः संबंधित अधिकारियों और कर्मचारी तक बीबी उपजिला अधिकारी द्वारा माल बाबू को भेज दिए जाते हैं लेकिन बीते ढाई वर्ष से अधिक इस तहसील में अंगद पांव की तरह जमे आराम परस्त मालबाबू पता करने के लिए जाने वाले फरियादियों के जाने पर मेज से हाथ में फाइल उठाकर उसके पन्ने पलटने लगते हैं और फरियादी उनके मुखातिब होने के लिए लंबे समय तक करते हैं इंतजार। जी हां चौकिये नहीं मिश्रिख तहसील में ढाई वर्ष से भी अधिक समय से माल बाबू की सीट पर जमे फूलचंद सिंह का कार्यालय में बैठने का सलीका ही अजीबोगरीब है एक कुर्सी पर वह बैठते हैं दूसरी कुर्सी पर फैलाते हैं पैर और कार्यालय में जनता के किसी व्यक्ति को आता देखकर मेज पर रखी फाइलों में से किसी एक को उठाकर उसके पन्ने पलट कर ऐसे देखने लगते हैं जैसे संबंधित अधिकारी के पास पत्रावली ना भेज कर वह स्वयं ही कर देंगे सारी समस्याओं का समाधान उनके पास आया व्यक्ति किस मकसद से आया है और कितनी देर से सामने खड़ा है इसकी उनको कोई परवाह नहीं है आराम परस्ती का आलम यह है कि जैसे वह कार्यालय में न होकर अपने घर में फरमा रहे हैं आराम। तहसील के जिम्मेदार नाजिर पद पर कार्यरत एक कर्मचारी का जब आराम परस्ती का यह आलम है तो अन्य कर्मियों की क्या होगी दशा। सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है तहसील प्रशासन और जिला प्रशासन को मिश्रिख तहसील में वर्षों से कार्यरत आराम परस्त कर्मचारियों को कर्तव्य निष्ठा का पाठ पढ़ाने की और गंभीरता से पहल करने की आवश्यकता है ताकि निरंकुश मतलब परस्त और आराम परस्त लोग फरियादियों सहित आम जनता का अहित न करके सही ढंग से मुखातिब हो सके।

फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। ग्राम गांधी विकासखंड सैंडी में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम संपन्न कराया गया जिसका उद्देश्य कृषकों के बीच पराली ना जलाने का संदेश देना था तथा अन्य फसल अवशेषों को काटकर भूमि में मिलाकर मृदा स्वास्थ्य तथा पर्यावरण सुरक्षित करना था। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई प्रथम के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर डी बी सिंह ने कहा कि आज जहां भूमियों में मृदा कार्बन 0.18प्रतिशत ही रह गया है जबकि उचित फसल उत्पादन हेतु यहां 0.80 प्रतिशत से अधिक होना चाहिए फसल अवशेषों को बुवाई से पूर्व खेतों में काटकर अवश्य मिले जिससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार हो सके वह पर्यावरण सुरक्षित रह सके केंद्र के वैज्ञानिक मुकेश सिंह ने कहा की कृषक किसी भी दशा में परली या अन्य फसल अवशेष ना जलाएं वरना अर्थ दंड के साथ-साथ सजा भी हो सकती है उन्होंने कहा कि दो एकड़ से कम फसल अवशेष जलने पर रुपया 1500 का जुर्माना 2 एकड़ से 5 एकड़ के बीच ढाई हजार रुपए जुर्माना तथा 5 एकड़ से अधिक फसल अभिषेक जलने पर रू 5000 जुर्माना होगा पुनरावृत्ति होने पर अर्थ दंड एवं सजा दोनों का प्रावधान है कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम गांधी के ग्राम प्रधान सतीश चंद्र तिवारी ने की इस अवसर पर 50 से अधिक महिला एवं पुरुष कृषक जन उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में केंद्र के वैज्ञानिक मुकेश सिंह ने सभी को आभार व्यक्त किया।

27 अक्टूबर से 09 दिसम्बर तक चलाया जायेगा मतदाता (वोटर) पंजीकरण अभियानः- एसडीएम

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। उपजिलाधिकारी सदर स्वाती शुक्ला ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आज 27 अक्टूबर 2023 से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ हो रहा है, जिसके अन्तर्गत 27 अक्टूबर 2023 से 09 दिसम्बर 2023 तक मतदाता (वोटर) पंजीकरण अभियान चलाया जायेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके अथवा 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नये मतदाताओं को जोड़ा जायेगा। पंजीकरण हेतु विशेष अभियान दिवस क्रमशः 04, 05, 25, 26 नवम्बर एवं 02 03 दिसम्बर को मतदान केन्द्रों पर आयोजित होगें। उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर से 09 दिसम्बर 2023 के मध्य वोटर लिस्ट के सम्बन्ध में आपत्ति प्रस्तुत की जा सकेगी तथा उनका निस्तारण 26 दिसम्बर 2023 तक कराया जायेगा। वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2024 को किया जायेगा।

सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र की अवैध प्लॉटिंग पर चला एलडीए का बुलडोजर

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) लगातार अवैध प्लॉटिंग और बिना नक्शा पास कराए भवनों और व्यावसायिक बिल्डिंग के निर्माण पर कार्रवाई कर रहा है. इसी क्रम में शुक्रवार को राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में अवैध रुप से विकसित की कई फ्लॉटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) वीसी इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में अवैध निर्माण व प्लाटिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देशों दिए हैं. वीसी के निर्देश के क्रम में शुक्रवार को प्रवर्तन जोन-दो की टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। न्यायालय ने पारित किया था ध्वस्तीकरण का आदेश = प्रवर्तन जोन-दो की जोनल अधिकारी प्रिया सिंह ने जानकारी दी कि शिवलाल, चन्द्रिका द्वारा सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत वृंदावन क्रॉसिंग रोड स्थित हनुमंतनगर कॉलोनी में लगभग 2.5 बीघा जमीन पर अवैध रूप से प्लॉटिंग का कार्य करते हुए आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही थी. प्राधिकरण से ले ऑउट-नक्शा पास कराए बिना की जा रही इस प्लॉटिंग के खिलाफ विहित न्यायालय द्वारा वाद किया गया था. न्यायालय ने सुनवाई करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किए गए थे. न्यायालय के निर्देश के बाद कॉलोनी के मार्किंग आदि का ध्वस्तीकरण करा दिया गया।

शासकीय अधिवक्ता बनवाने का झांसा देकर वकील से चार लाख ठगे

लखनऊ। सरकारी वकील का पद दिलाने के नाम पर एक जालसाज ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता से चार लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपी ने खुद को भाजपा का स्थानीय अध्यक्ष बताकर अधिवक्ता को जाल में फंसाया था। ठगी का शिकार हुए अधिवक्ता ने गोमतीनगर विस्तार थाने में केस दर्ज कराया है। गोमतीनगर विस्तार के वारदान खंड इलाके में हाईकोर्ट के अधिवक्ता आनंद मिश्र रहते हैं। उनके मुताबिक फरवरी माह में हमीरपुर निवासी अश्वनी कुमार उर्फ राहुल साहू से उनकी मुलाकात हुई थी। अश्वनी ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य लोगों का नाम लेते हुए उनसे अपने संबंध के बारे में बताया। साथ ही उसने खुद को भाजपा का स्थानीय अध्यक्ष बताया। इसके बाद आरोपी अश्वनी ने आनंद मिश्र को शासकीय अधिवक्ता नियुक्त कराने का झांसा दिया। इसके एवज में उसने आनंद मिश्र से चार लाख रुपये मांगे।

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया में शांति की राह में खड़े हैं अधिकारों से जुड़े कई सवाल

सुरेंद्र कुमार

अपराधियों को दंडित करने के इस्राइल के अधिकार पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। लेकिन गाजा में इस्राइल ने जो जमीनी हमला शुरू किया है, वह भी गंभीर मामला है। जो लोग सामान्य स्थिति की वापसी चाहते हैं, उन्हें सारे तथ्य बिना किसी पूर्वाग्रह के अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बताना चाहिए। यदि कोई हमारे किसी प्रियजन की हत्या कर देता है, तो हमें सदमा लगता है। हम दुखी व क्रोधित होते हैं और हमलावर को सजा देना चाहते हैं। यह स्वाभाविक और समझ में आने वाली मानवीय प्रतिक्रिया है। राष्ट्रीय नेताओं के बारे में भी यही सच है। जब बाहरी लोग किसी राष्ट्र के नागरिकों की हत्या करते हैं, तो उनके नेता हैरान और क्रोधित होकर अपराधियों को दंडित करने की कसम खाते हैं। अल कायदा ने जब 11 सितंबर, 2001 को अभूतपूर्व आतंकी हमले में न्यूयॉर्क के ट्विन टावर को उड़ा दिया था, तो अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने आतंक के खिलाफ युद्ध की शुरुआत की थी। अल कायदा के आतंकवादी हमलों के लिए बड़े पैमाने पर मुसलमानों को सामूहिक रूप से दंडित करना एक बड़ी भूल होती। आक्रामक उकसावों के बाद शांत रहना और तार्किक ढंग से विचार करके नपे-तुले और परिपक्व तरीके से जवाब देना आसान नहीं होता, लेकिन महान नेता इन्हीं गुणों से बनते हैं। विगत सात अक्तूबर को जिस तरह से हमास ने इस्राइल पर जमीनी, समुद्री और हवाई हमला किया और सैकड़ों लोगों को मारकर बहुत से लोगों को बंधक बनाया, जिसमें महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल थे, वह एक जघन्य अपराध था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमास ने इस्राइलियों के खिलाफ कितने दशकों का गुस्सा, कड़वाहट और हताशा अपने अंदर पाल रखी होगी। यह एक अक्षम्य आतंकवादी कार्रवाई थी, जिसकी सभी को निंदा करनी चाहिए। अपराधियों को दंडित करने के इस्राइल के अधिकार पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। उन इस्राइली माताओं का दर्द, दुख और पीड़ा समझ में आती है, जिनके मासूम बच्चे हमास के हमलों में मारे या बंधक बना लिए गए हैं। शोक और निंदा का कोई भी शब्द उनके नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता। लेकिन क्या अपराधों, हत्या और मानवीय नुकसान को धर्म, राजनीतिक विचारधारा और स्थान के चश्मे से देखा जाना चाहिए? तर्क के इस युग में ऐसा नहीं होना चाहिए। लेकिन लगता है कि हम अवसाद, कड़वाहट और निराशा के शिकार हो गए हैं और ठीक वैसा ही व्यवहार कर रहे हैं। बेशक हमास ने अक्षम्य अपराध किया है, लेकिन प्रतिक्रिया में इस्राइल भी तो वही कर रहा है। यदि ऐसा नहीं है, तो इस्राइली जवाबी हमले में 2,800 फलस्तीनियों, जिनमें 700 से ज्यादा बच्चे थे, की जान कैसे चली गई? यह एक तथ्य है, जिसे खारिज नहीं किया जाना चाहिए। पश्चिमी मीडिया और उसका समर्थन करने वाले देश गाजा में जानमाल के नुकसान की पूरी खबर नहीं देते, तो इसका मतलब यह नहीं है कि वहां कुछ हुआ नहीं है। गाजा की एक फलस्तीनी मां का दुख-दर्द इस्राइल की एक मां के दुख-दर्द से कम महत्वपूर्ण क्यों होना चाहिए? जो लोग शांति और सामान्य स्थिति की वापसी चाहते हैं, उन्हें दोनों पक्षों के तथ्यों और आख्यानों को बिना किसी पूर्वाग्रह के अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बताना चाहिए। इस्राइली नेतृत्व को यह समझना चाहिए कि उनके हवाई हमले में मारे गए हरेक निर्दोष फलस्तीनी भविष्य में दस आतंकवादियों को जन्म देगा, क्योंकि परिवारों का गुस्सा, कड़वाहट और नफरत अगली पीढ़ी तक चली जाती है। विडंबना यह है कि जो लोग खुद को शांति निर्माता के रूप में पेश कर रहे हैं, उन्होंने निर्दोष नागरिकों के खिलाफ बहुत अधिक गंभीर अपराध किए हैं, जो उनकी नजर में केवल %कोलेटरल डैमेज% था। फरवरी, 2003 में सबसे शक्तिशाली राष्ट्र के विदेश मंत्री के रूप में कार्यरत एक फाइव स्टार जनरल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि सद्दाम हुसैन ने ढेर सारे सामूहिक नरसंहार के हथियार जमा कर लिए हैं, वह अल कायदा के संपर्क में था। उन्होंने दावा किया कि इससे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आसन्न खतरा पैदा हो गया है, जिसके कारण मार्च, 2003 में इराक पर अमेरिकी हमला शुरू हो गया, हालांकि बाद में ये सभी दावे झूठे निकले। उस युद्ध में महिलाओं और बच्चों सहित हजारों नागरिकों की मौत हुई, पर आज तक किसी ने उस युद्ध में मरने वाले लोगों का आधिकारिक आंकड़ा नहीं दिया है! अरब जगत के सबसे विकसित मुल्कों में से एक को मलबे में तब्दील कर दिया गया, जिससे आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट का जन्म हुआ। सबसे ज्यादा परमाणु हथियार रखने वाले एक दूसरे देश के नेता ने, जिसके वैचारिक साम्राज्य का कभी आधी दुनिया पर प्रभाव था, पिछले साल अपने पड़ोसी यूक्रेन पर हमला किया, उसकी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन करते हुए 90 लाख लोगों को शरणार्थी बनने पर मजबूर कर दिया। सैकड़ों शहरों को मलबे में तब्दील कर दिया, बुचा में युद्ध अपराध को अंजाम दिया, खाद्यान्न, उर्वरक और ऊर्जा की कमी पैदा की और यूक्रेनी क्षेत्र के पांचवें हिस्से पर कब्जा कर लिया। अब वह इस्राइल एवं हमास के बीच मध्यस्थता करने की कोशिश कर रहे हैं! ऐसे में इस्राइल और हमास के बीच किस तरह की शांति स्थापित की जा सकेगी? यदि वे गंभीर थे, तो अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करते समय अरब नेताओं को फलस्तीनी प्राधिकरण के साथ बातचीत शुरू करने के लिए इस्राइल पर दबाव डालना चाहिए था और एक स्वतंत्र और संप्रभु फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए था, जिस पर ओस्लो समझौते में सहमति व्यक्त की गई है और जिसे विभिन्न अरब शिखर सम्मेलनों में मंजूरी दी गई है। रोजाना हजारों फलस्तीनियों के साथ अपमानजनक व्यवहार और कब्जे वाले इलाकों पर बस्तियों के विस्तार के खात्मे से हमास निष्प्रभावी हो गया होता और फलस्तीनी प्राधिकरण की वैधता और स्थिति मजबूत हुई होती। पर पश्चिम एशिया के नेता फलस्तीनी प्राधिकरण के लोकतांत्रिक तरीकों को लेकर बहुत सहज नहीं हैं, उन्हें डर है कि यह उनके अपने शासन को खत्म कर देगा। इसलिए वे फलस्तीनी राष्ट्र के लिए दबाव बनाने के बजाय सिर्फ दिखावा करने तक ही सीमित रहते हैं। पश्चिमी नेता एकजुटता दिखाने के लिए इस्राइल जा रहे हैं। वह ठीक है। लेकिन वे गाजा में फलस्तीनियों के प्रति अपनी करुणा और दयालुता क्यों नहीं दिखा सकते, जहां इस्राइल ने अब जमीनी हमला शुरू कर दिया है? क्या वे इंसान नहीं हैं? उनके दुख और कष्ट कोई मायने नहीं रखते?

शायर

खेलों को मज़हब के चश्मे से मत देखो,
इसमें प्यार और भाईचारा छुपा है,
खेलों में सिर्फ़ हार और जीत मत देखो

-तौकीर अंसारी

कब तक रैगिंग की आंधी में बुझेंगे सपनों के दीप?

-प्रियंका सौरभ

रैगिंग के नाम पर मैत्रीपूर्ण परिचय से जो शुरू होता है उसे घृणित और विकृत रूप धारण करने में देर नहीं लगती। रैगिंग की एक अप्रिय घटना पीड़ित के मन में एक स्थायी निशान छोड़ सकती है जो आने वाले वर्षों तक उसे परेशान कर सकती है। पीड़ित खुद को शेष दुनिया से बदनामी और अलगाव के लिए मजबूर करते हुए एक खोल में सिमट जाता है। यह उस पीड़ित को हतोत्साहित करता है जो कई आशाओं और अपेक्षाओं के साथ कॉलेज जीवन में शामिल होता है। हालाँकि शारीरिक हमले और गंभीर चोटों की घटनाएँ नई नहीं हैं, लेकिन रैगिंग इसके साथ-साथ पीड़ित को गंभीर मनोवैज्ञानिक तनाव और आघात का कारण भी बनती है। जो छात्र रैगिंग का विरोध करना चुनते हैं, उन्हें भविष्य में अपने वरिष्ठों से बहिष्कार का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग रैगिंग के शिकार होते हैं वे पढ़ाई छोड़ सकते हैं जिससे उनके करियर की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। गंभीर मामलों में आत्महत्या और गैर इरादतन हत्या की घटनाएं भी सामने आई हैं। रैगिंग को एक ऐसे कृत्य के रूप में परिभाषित किया गया है जो किसी छात्र की गरिमा का उल्लंघन करता है या ऐसा माना जाता है। नए लोगों के %स्वागत% के बहाने की जाने वाली रैगिंग इस बात का प्रतीक है कि व्यापक मानवीय कल्पना कितनी दूर तक फैल सकती है। सच है, मानव कल्पना की कोई सीमा नहीं है, शैतानी रैगिंग की भी कोई सीमा नहीं है। आज, रैगिंग भले ही भारतीय शैक्षणिक व्यवस्था में गहरी जड़ें जमा चुकी है, लेकिन कई लोगों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि रैगिंग मूल रूप से एक पश्चिमी अवधारणा है। ऐसा माना जाता है कि रैगिंग की शुरुआत कुछ यूरोपीय विश्वविद्यालयों में हुई जहां संस्थानों में नए छात्रों के स्वागत के समय वरिष्ठ छात्र व्यावहारिक मजाक करते थे। धीरे-धीरे रैगिंग की प्रथा पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गई। हालाँकि, समय के साथ, रैगिंग ने अप्रिय और हानिकारक अर्थ ग्रहण कर लिया और इसकी कड़ी निंदा की गई। आज, दुनिया के लगभग सभी देशों ने रैगिंग पर प्रतिबंध लगाने वाले कड़े कानून बनाए हैं और कनाडा और जापान जैसे देशों में इसे पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। लेकिन दुख की बात है कि ब्रिटिश राज से रैगिंग विरासत में मिला भारत इस अमानवीय प्रथा के चंगुल से खुद को मुक्त नहीं कर पाया है। बिना किसी संदेह के यह कहा जा सकता है कि रैगिंग का सबसे बुरा रूप भारत में होता है। दरअसल एक शोध के अनुसार, भारत और श्रीलंका दुनिया के केवल दो देश हैं जहां रैगिंग मौजूद है। नए छात्रों को हमेशा अपने नियंत्रण में रखकर, एक वरिष्ठ छात्र अधिकार की भावना का पोषण करता है जो उसके मनोबल को बढ़ाता है और उसे ऊंचे स्थान पर रखता है। एक वरिष्ठ व्यक्ति जिसका रैगिंग का पुराना इतिहास रहा है, वह परपीड़क सुखों पर अपनी निराशा व्यक्त करके वापस आना चाहेगा। एक संभावित रैगर रैगिंग को एक गरीब नए छात्र की कल्पना की कीमत पर अपने परपीड़क सुखों को संतुष्ट करने के एक अच्छे अवसर के रूप में देखता है। यह भी एक वास्तविकता है कि रैगिंग करने वाले सभी वरिष्ठ अपनी इच्छा से ऐसा करने का आनंद नहीं लेते हैं। अपने अधिकांश बैच साथियों को रैगिंग में लिप्त देखकर उन्हें छूट जाने का डर रहता है। इसलिए, अलगाव से बचने के लिए, वे भी झुंड में शामिल हो जाते हैं। पैसे, नई पोशाक, सवारी आदि के रूप में ठोस लाभ के साथ कई वरिष्ठ छात्र इस गलतफहमी में रहते हैं कि रैगिंग एक स्टाइल स्टेटमेंट है और इस तरह उन्हें % उनके कॉलेज की %प्रभावशाली भीड़% में शामिल कर देगी। ऐसा कहा जाता है कि नर्क का रास्ता अच्छे इरादों से बनता है। रैगिंग के मामले में यह बात बिल्कुल सटीक बैठती है। रैगिंग के नाम पर मैत्रीपूर्ण परिचय से जो शुरू होता है उसे घृणित और विकृत रूप धारण करने में देर नहीं लगती। रैगिंग की एक अप्रिय घटना पीड़ित के मन में एक स्थायी निशान छोड़ सकती है जो आने वाले वर्षों तक उसे परेशान कर सकती है। पीड़ित खुद को शेष दुनिया से बदनामी और अलगाव के लिए मजबूर करते हुए एक खोल में सिमट जाता है। यह उस पीड़ित को हतोत्साहित करता है जो कई आशाओं और अपेक्षाओं के साथ कॉलेज जीवन में शामिल होता है। हालाँकि शारीरिक हमले और गंभीर चोटों की घटनाएँ नई नहीं हैं, लेकिन रैगिंग इसके साथ-साथ पीड़ित को गंभीर मनोवैज्ञानिक तनाव और आघात का कारण भी बनती है। जो छात्र रैगिंग का विरोध करना चुनते हैं, उन्हें भविष्य में अपने वरिष्ठों से बहिष्कार का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग रैगिंग के शिकार होते हैं वे पढ़ाई छोड़ सकते हैं जिससे उनके करियर की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। गंभीर मामलों में आत्महत्या और गैर इरादतन हत्या की घटनाएं भी सामने आई हैं। एक मजबूत लेकिन सुधारात्मक दंड प्रणाली के साथ एक मजबूत रैगिंग विरोधी कानून केंद्र और राज्य दोनों सरकारों का कर्तव्य है। । सरकार ने 2007 में रैगिंग मुद्दे पर अध्ययन के लिए राघवन समिति की स्थापना की थी; और इसकी कई सिफ़ारिशों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। इसके अलावा, सरकार छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए गैर सरकारी संगठनों, प्रिंट मीडिया, टीवी, रेडियो आदि का उपयोग कर सकती है। व्यापक परिप्रेक्ष्य में, सरकार को परिसर में शराब और नशीली दवाओं के उपयोग पर लगाम लगानी चाहिए, जो रैगिंग की घटनाओं को बढ़ावा देती है। अब तक रैगिंग पर रोक लगाने वाले दो ऐतिहासिक फैसले आ चुके हैं। तिरुवनंतपुरम सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज बनाम केरल राज्य में फ्रेशर्स की रैगिंग। राष्ट्रपति के माध्यम से विश्व जागृति मिशन बनाम कैबिनेट सचिव के माध्यम से केंद्र सरकार। यूजीसी के साथ-साथ एआईसीटीई, एमसीआई आदि जैसे क्षेत्रीय निकायों को इस खतरे को रोकने में संस्थानों की भूमिका और ऐसा करने के तरीकों और साधनों के बारे में समय पर अनुस्मारक भेजने की जरूरत है। यह तथ्य कि 2009 के यूजीसी दिशानिर्देश भारत में एकमात्र व्यापक रैगिंग विरोधी नीति है, इस विचार को पुष्ट करता है। यूजीसी के साथ-साथ एआईसीटीई, एमसीआई आदि जैसे क्षेत्रीय निकायों को इस खतरे को रोकने में संस्थानों की भूमिका और ऐसा करने के तरीकों और साधनों के बारे में समय पर अनुस्मारक भेजने की जरूरत है। यह तथ्य कि 2009 के यूजीसी दिशानिर्देश भारत में एकमात्र व्यापक रैगिंग विरोधी नीति है, इस विचार को पुष्ट करता है। रैगिंग विद्यार्थियों की और विद्यार्थियों की समस्या है; और इसलिए इसका समाधान भी विद्यार्थियों के पास है। कॉलेजों में रैगिंग के अनियंत्रित होने के साथ, अब समय आ गया है कि छात्र समुदाय इस अमानवीय प्रथा के प्रति अपनी अंतरात्मा को जगाए, इससे पहले कि अधिक से अधिक निर्दोष छात्र इसका शिकार बनें और इससे पहले कि अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थान इसके कारण अपमानित हों। रैगिंग पर अंकुश लगाने की प्राथमिक जिम्मेदारी शैक्षणिक संस्थानों की होगी। इन पर नियंत्रण के लिए मीडिया एवं नागरिक समाज की भी सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने सही कहा है, रैगिंग को संज्ञेय अपराध घोषित करने से रैगिंग पर नियंत्रण नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि शैक्षणिक संस्थानों में जाने वाले छात्रों को पुलिस के डर के साये में नहीं रहना चाहिए। हालाँकि, छात्रों पर हाल के प्रभाव को देखते हुए, रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए दिशानिर्देश लागू किए गए है। रैगिंग से संबंधित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी न्यायालय की सौंपी गई है। रैगिंग के प्रतिकूल प्रभाव की पिछली यादें इन कानूनों के सख्ती से कार्यान्वयन से ही मिटाई जा सकती हैं।

कार्बन उत्सर्जन के प्रति सचेत होंगे तो पर्यावरण भी बचेगा और खर्च भी

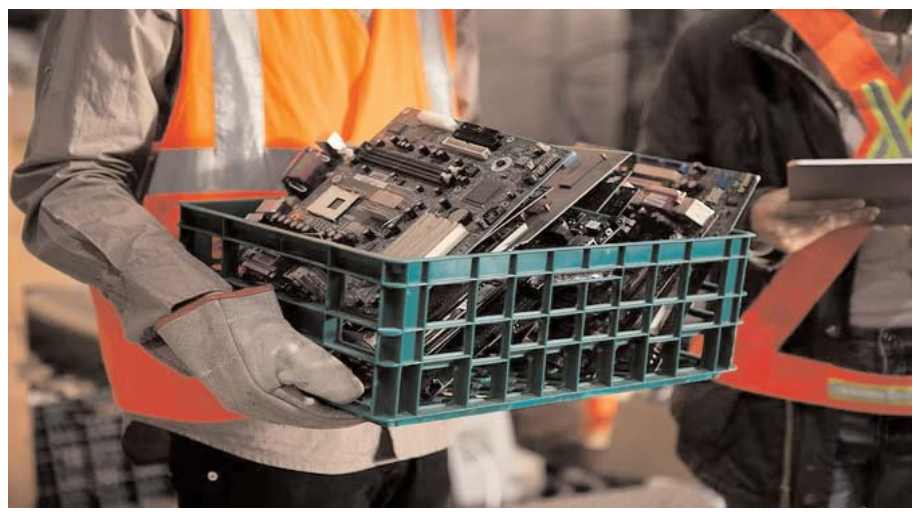

राइट टू रिपेयर का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ उत्पादों की मरम्मत में निर्माता कंपनियों का एकाधिकार खत्म करना है।आज हर व्यक्ति औसतन दो साल में अपना मोबाइल फोन बदल रहा है। इस दर से अपने जीवन काल में वह लगभग 30 फोन उपयोग में ले चुका होगा। इसी प्रकार अन्य इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल उत्पाद बदलते मॉडल के साथ बाजार से बाहर होते जाते हैं और उपभोक्तावादी संस्कृति के नाते आमजन उन्नत उपयोग या फैशन के नाम पर बदलाव कर लेता है। यह सब करते हुए उसे इस तथ्य का एहसास भी नहीं होता कि उपयोग में ली जा रही वस्तु के निर्माण के दौरान कितना कार्बन उत्सर्जन हुआ होगा। बार-बार उत्पाद को बदला जाएगा, तो उतना ही विकट कार्बन उत्सर्जन का प्रभाव होगा। विभिन्न उपयोगी उत्पादों को संपूर्ण जीवन अवधि तक उपयोग के उद्देश्य से दुनिया में %राइट टू रिपेयर% -यानी मरम्मत के अधिकार की मुहिम छिड़ी हुई है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ उत्पादों की मरम्मत में निर्माता कंपनियों के एकाधिकार को समाप्त करना भी है। यह आंदोलन मूलतः इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑटोमोबाइल उत्पादों की मरम्मत में व्याप्त एकाधिकार के खिलाफ चलाया जा रहा है। अभी उत्पादों की मरम्मत के लिए पूर्णतया उसके निर्माता द्वारा अधिकृत स्थल पर ही निर्भर रहना होता है। अनेक कंपनियां नियोजित रूप से अपने पूर्ववर्ती उत्पादों को विलोपित कर देती हैं, ताकि उनके कल-पुर्जों के अभाव में उपभोक्ता के पास उत्पाद को फेंकने के अतिरिक्त कोई विकल्प ही न रहे। बड़े निर्माताओं के एकाधिकार के चलते संपूर्ण विश्व में सूक्ष्म एवं लघु मरम्मत व्यवसायियों, कुशल अभियंताओं, सहायकों के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था पर संकट खड़ा होता चला जा रहा था। इसका असर आम उपभोक्ता पर भी पड़ रहा था। पूरी दुनिया में लगभग पांच करोड़ टन ई-वेस्ट प्रतिवर्ष उत्पन्न होता है और उसमें से एक तिहाई यानी 1.6 करोड़ टन ई-वेस्ट अकेला भारत उत्पन्न करता है। संसाधनों के अभाव में एक तिहाई का ही पुनःचक्रण या प्रसंस्करण हो पाता है। यह मात्रा इतनी है, जैसे हर सेकंड 800 लैपटॉप फेंक दिए जाएं। यदि विषैले कचरे का विश्लेषण करें, तो उसका 70 फीसदी भाग ई-वेस्ट ही होता है। इन्हीं तथ्यों के मद्देनजर राइट टू रिपेयर यानी मरम्मत के अधिकार आंदोलन की नींव रखी गई, जो ई-वेस्ट की मात्रा कम करने हेतु प्रभावी कदम है। यदि उपभोक्ता को मरम्मत करने की सुविधा प्राप्त हो जाए, तो इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के बदलाव को आधे से भी कम किया जा सकता है। अधिकांश उपभोक्ता आज वस्तुओं को इसलिए बदलते हैं, क्योंकि मरम्मत की सुविधा नहीं है। अगर यह सुविधा है भी, तो निर्माता द्वारा निर्धारित सीमित स्थलों पर। %राइट टू रिपेयर% का उद्देश्य निर्माता कंपनियों को बाध्य करना है कि वे अपने उत्पाद संबंधी कल-पुर्जे औजार, निदान के उपकरण तथा समस्त जानकारी उपभोक्ता एवं उन सभी को प्रदान करें। इस अधिकार के कानूनी रूप लेने के साथ मोबाइल फोन, वाशिंग मशीन, फ्रिज इत्यादि की आयु स्वतः ही बढ़ जाएगी और घरेलू व्यय में भी कटौती होगी। अमेरिका में पहली बार राइट टू फेयर रिपेयर कानून पारित किया गया।

ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय संघ के देशों ने भी चक्रीय अर्थव्यवस्था के दृष्टिगत मरम्मत को बढ़ावा देने तथा उपभोक्ता को मरम्मत का अधिकार देने के लिए कानून पारित किए हैं। भारत में मरम्मत के अधिकार को कानूनी जामा पहनाने हेतु उपभोक्ता विभाग के तहत समिति का गठन किया गया है, ताकि हर व्यक्ति अपने उपकरण को उसके संपूर्ण जीवन तक उपयोग कर सके। हालांकि मरम्मत हेतु अधिकार सम्मत कोई कानून नहीं है। हाल ही में केंद्र सरकार ने लगभग 40 कंपनियों के सहयोग से मरम्मत का अधिकार देने हेतु एक पोर्टल प्रारंभ किया है, जिसमें लाइफ मिशन के तहत कृषि, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक तथा घरेलू उपयोग संबंधी उत्पादों की श्रेणी में विभाजित करते हुए निर्माताओं को पंजीकृत कर उनके सर्विस नेटवर्क, वारंटी संबंधी तथा हेल्पलाइन नंबर की जानकारी प्रदान की गई है। अपने उपकरणों का यथासंभव उसके संपूर्ण जीवन तक उपयोग करना एवं अधिकार पूर्वक उनका मरम्मत करवाना जरूरी है। इससे हमारी धरती को जीने योग्य बनाने में मदद मिलेगी।

बेगानों से सोशल मीडिया के जरिये परवान चढ़ता प्रेम या फितूर

-डॉ सत्यवान सौरभ

इन घटनाक्रमों ने एक बार फिर से सोशल मीडिया की सामाजिकता को लेकर बहस तेज कर दी है। हाल की दोनों घटनाओं को छोड़ भी दें तो देश में हजारों किस्से ऐसे हैं कि जिनमें सोशल मीडिया के जरिये लड़कियों से छल किया गया। उन्हें लूटा गया और उनकी हत्या तक कर दी गई। यह गहन शोध का विषय है। हमने आजतक इस विषय को गम्भीरता से नही लिया है। आजकल की पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर रही है। अंग प्रदर्शन, एशो-आराम, अवांछित स्वतंत्रता, आधुनिकता का दिखावा और अच्छे संस्कारो का अभाव और अनैतिकता और पैसे की प्रति अत्यधिक लगाव जैसी आदतें मुख्य कमजोरी बन गई है। संयुक्त परिवार की अवधारणा समाप्त होती जा रही है। लिहाज और शर्म की भावना लगभग खत्म हो गई है। वहीं वैवाहिक रिश्तों के दरकने को भारतीय समाज के लिये एक बड़ी चुनौती माना जाएगा। जो समाज में कई तरह की विकृतियों को जन्म दे सकता है। रिश्तों की पवित्रता को लेकर पश्चिमी जगत में जिस भारत की मिसाल दी जाती रही है आज वह ही रिश्तों के संक्रमण वाले दौर से गुजर रहा है। अपने बच्चों को लेकर/छोड़कर चल देने वाले ये रिश्ते आखिर किस सुख की तलाश में भटक रहे हैं? क्या इस भटकन की कोई मंजिल है? नारी नारायणी मिथक पुरातन पड़ गया है। क्या हो गया चरित्र और नैतिकता को? मुझे ऐसा लगा पीढ़ी परिवर्तन है । क्या आदत की लाचार ये पीढ़ी, संस्कारहीन और भौतिक सुखों की लालसा से भरी हुई हैं, मृगमरीचिका बनी हुई हैं और इसी तलाश में मरेगी। वर्तमान में भारत पकिस्तान के साथ दुनिया में सुर्खियां बटोर रही दोनों ही औरतों ने पहले लव मैरिज की है, अब फिर इन्हे प्यार हो गया। न इन्हे मासूम बच्चों की परवाह है? ऐसे रिश्ते सिर्फ समाज को भटकाने का काम करते है। क्योंकि इनकी देखा-देखी और बातें आएंगी आगे। ये सब इसी को स्वतंत्रता कहते हैं। उन मासूम और बेगुनाह बच्चों पर क्या बीत रही होगी। मैं तो यही सोच सोच कर दुखी हो रहा हूं। पर वो दुखी नहीं कि 15 साल की बेटी कैसे दुनिया का सामना करेगी? अभी पाकिस्तानी नागरिक सीमा गुलाम हैदर और भारत के सचिन की असामान्य प्रेम कहानी के उलझे तार सुलझे भी नहीं थे कि राजस्थान की अंजू और पाकिस्तानी प्रेमी नसरुल्ला की प्रेम कहानी के किस्से सुर्खियां बनने लगे। लेकिन इन हालिया प्रेम कहानियों में कई तरह के उलझे पेच भी हैं। एक तो ये रिश्ते अलग-अलग धर्मों के बीच पनपे हैं दूसरे इनमें परिवारों की कोई भूमिका नहीं रही है। अन्यथा विगत में रिश्तेदारों-पड़ौसियों या कारोबारी संबंधों के जरिये ये प्रेम कहानियां सिरे चढ़ती रही हैं। हालिया दोनों प्रेम कहानियों में ये चीज एक जैसी है कि प्रेम सोशल मीडिया के जरिये परवान चढ़ा। हालांकि, पुरानी कहावत है कि प्रेम आंख मूंदकर होता है और उसमें तर्कों की कोई गुंजाइश नहीं होती। लेकिन हाल के दिनों में सैकड़ों ऐसे प्रकरण सामने आए हैं जिनमें सोशल मीडिया के जरिये रिश्ते गांठकर सेना, वायुसेना व नौसेना के अधिकारियों व कर्मचारियों को किसी सुंदरी के जरिये पाकिस्तान से जासूसी के लिये इस्तेमाल किया जाता रहा है। यह गहन शोध का विषय है। हमने आजतक इस विषय को गम्भीरता से नही लिया है। आजकल की पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर रही है। अंग प्रदर्शन, एशो-आराम, अवांछित स्वतंत्रता, आधुनिकता का दिखावा और अच्छे संस्कारो का अभाव और अनैतिकता और पैसे की प्रति अत्यधिक लगाव जैसी आदतें मुख्य कमजोरी बन गई है। संयुक्त परिवार की अवधारणा समाप्त होती जा रही है। लिहाज और शर्म की भावना लगभग खत्म हो गई है। कई बार ऐसा होता है, औरतें घर छोड़कर भाग जाती हैं। कभी अकेली ही तो कभी सहारे के लिए किसी के साथ, इसलिए नहीं कि उन्हें डराती हैं जिम्मेदारियां, उन्हें डराते हैं लोग और ले जाते हैं इस हद तक, कि तिनका-तिनका जोड़ा घर ही, उन्हें बेगाना लगने लगता है। बेगानी बस्ती से ज्यादा, वो घर जिसे बार-बार, उसे अपना बताया जाता है। जन्म लेने से मरने तक, जो कभी उसका होता ही नहीं, सास बनने तक सास का शासन, बहू के आने से पहले ही,घर झिन जाने का डर, उसे हर पल सताता है। जिस घर को उसे बार-बार उसका अपना बताया जाता है। इतना तो वह सह जाती है,पर जब गांठ बांधकर, हाथ थाम कर लाने वाला ही, कब पराया हो जाता है। गांठ खोलकर आलमारी में रख देता है, और हाथ पकड़कर, किसी और का हो लेता है, तब औरत, बेगानों को छोड़कर, बेगानी बस्ती की ओर निकल जाती है। इन घटनाक्रमों ने एक बार फिर से सोशल मीडिया की सामाजिकता को लेकर बहस तेज कर दी है। हाल की दोनों घटनाओं को छोड़ भी दें तो देश में हजारों किस्से ऐसे हैं कि जिनमें सोशल मीडिया के जरिये लड़कियों से छल किया गया। उन्हें लूटा गया और उनकी हत्या तक कर दी गई। एक परिपक्व व्यक्ति के लिये सोशल मीडिया के गहरे निहितार्थ हैं। लेकिन छोटी उम्र में बहकने को भटकाव ही कहा जायेगा। वहीं वैवाहिक रिश्तों के दरकने को भारतीय समाज के लिये एक बड़ी चुनौती माना जाएगा। जो समाज में कई तरह की विकृतियों को जन्म दे सकता है। रिश्तों की पवित्रता को लेकर पश्चिमी जगत में जिस भारत की मिसाल दी जाती रही है आज वह ही रिश्तों के संक्रमण वाले दौर से गुजर रहा है। औरते तो रोज भागती हैं। पर उनके भागने में और बॉर्डर पार शादीशुदा औरत के भागने में बड़ा फर्क है। यह एक सामाजिक त्रासदी है। उच्छृंखलता नहीं। देश के लिए प्रेम त्यागा जा सकता है। प्रेम के लिए देश नहीं। ऐसे लोगों की चर्चा भी नहीं होनी चाहिए।क्या आज की कानून व्यवस्था से वह राजा-महाराजाओ और अंग्रेजों वाला कानून में फैसलों में देरी नहीं होना दंड प्रक्रिया के अंतर्गत तुरंत सजा देकर निस्तांतरण हो जाना आज के मुकाबले बेहतर लगता है। सामाजिक? खाप पंचायतों/पंचो-पटैलो/मुखियाओं का विरोध विरोध हुआ उन्हें रूढ़िवादी, गैर परंपरागत, अमानवीय,और घृणित मानसिकता घोषित कर उन्हें बंद कराने के लिए कानून में महिला उत्पीडन के आधे अधूरे दावो पर कानूनो में संशोधन किया तो विसंगतिपूर्ण कानून ने महिलाओ को स्वछंद-स्वतंत्रत होने के ऐसे पंख लगा दिए गये। ?जिसके विकृत परिणाम स्वरूप ऐसे मामले लगातार सामने आते जा रहे हैं। बिना शादी-संबंध के लड़के-लड़की एक जगह रह रहे हैं। यह व्यवस्था सामाजिक संस्थानों और संस्कृति के धज्जियां उडाने के लिए कानून जो बनाएं है यह उसकी बदहाली का एक रूप है।

लघुशंका करते समय अस्पताल संचालक पर जानलेवा हमला, ताबड़तोड़ फायरिंग कर किया घायल

एजेंसी

बहराइच। बहराइच में अस्पताल चौराहे के निकट हुई घटना में बाइक सवार दो युवकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर निजी अस्पताल संचालक को घायल कर दिया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। बहराइच शहर में एक निजी अस्पताल का संचालन कर रहे हैं संचालक पर दिनदहाड़े बाइक सवार युवकों ने फायरिंग की। अस्पताल संचालक के पैर में गोली लगी है जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। शनिवार सुबह फायरिंग की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में ली है। उन्हें जख्मी हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर के निवासी विनीत सिंह शहर में ही एक निजी अस्पताल का संचालन करते हैं। शनिवार सुबह विनीत सिंह बाइक से घर से किसी आवश्यक कार्य से निकले थे। अस्पताल संचालक विनीत जब जिला अस्पताल चौराहे के निकट पहुंचे तो लघु शंका के लिए उन्होंने बाइक सड़क के किनारे खड़ी कर दी। विनीत जब लघु शंका कर रहे थे उसी दौरान एक बाइक पर पीछे से आए दो युवकों ने उन पर गोलियां बरसाना शुरू कर दीं। पहली गोली चलने पर विनीत जान नहीं पाए फिर जब पीछे मुड़े तो अपने ऊपर फायरिंग होते देख शोर मचाते हुए भागने लगे। भागते समय एक गोली विनीत के पैर में लगी, जिससे वह लहूलुहान हो गए। फायरिंग और विनीत की चीख-पुकार पर आसपास के लोग दौड़े लेकिन तब तक फायरिंग कर रहे बाइक सवार बदमाश असलहा हवा में लहराते हुए भाग गए।

सीसीटीवी फुटेज में कैद फायरिंग की घटना

आसपास के लोगों ने तत्काल जख्मी विनीत को जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया है। घटना की सूचना पाकर कोतवाली नगर की पुलिस टीम मौके पर पहुंची है। घटनास्थल का मुआयना करने के बाद पुलिस टीम ने अस्पताल पहुंचकर विनीत का बयान दर्ज किया।

गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल का निधन, मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री ने कहा है कि विगत 40 वर्षों से गीता प्रेस के ट्रस्टी के रूप में बैजनाथ का जीवन सामाजिक जागरूकता और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वह ईश्वर के अनन्य भक्त थे। बैजनाथ के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। गीता प्रेस के ट्रस्टी बैद्यनाथ अग्रवाल का निधन हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गीता प्रेस, गोरखपुर के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल (90) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने उनके पुत्र देवी दयाल अग्रवाल से बात कर सांत्वना दी। शुक्रवार की रात करीब ढाई बजे गोरखपुर के हरिओम नगर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि विगत 40 वर्षों से गीता प्रेस के ट्रस्टी के रूप में बैजनाथ का जीवन सामाजिक जागरूकता और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वह ईश्वर के अनन्य भक्त थे। बैजनाथ के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। सीएम ने परिजनों से बातकर उन्हें ढांढस बंधाया है। बता दें कि बैद्य नाथ अग्रवाल समाजसेवी भी रहे हैं। गीता प्रेस के माध्यम से उनका धार्मिक एवं सामाजिक जुड़ाव भी रहा है। बता दें कि हाल ही में गीता प्रेस ने अपना शताब्दी वर्ष मनाया था। भारत सरकार ने गीता प्रेस गोरखपुर का चयन साल 2021 के गांधी शांति पुरस्कार के लिए किया था। हालांकि, गीता प्रेस ट्रस्ट ने सम्मान तो स्वीकार कर लिया, लेकिन पुरस्कार के रूप में मिलने वाली एक करोड़ रुपये की राशि लेने से इनकार कर दिया था।

डेढ़ साल में बिकीं 1.75 लाख प्रतियां

गीता प्रेस से रंगीन धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन शुरू होने के बाद से लोग इसके कायल हो गए हैं। लोगों की पसंद का अंदाजा इसी बात से लगाई जा सकता है कि सिर्फ डेढ़ वर्षों में ही गीता प्रेस ने करीब 1.75 लाख रंगीन पुस्तकों की बिक्री कर ली है। खासतौर पर बुजुर्गों का रंगीन पुस्तकों की तरफ विशेष रुझान है। गीता प्रेस प्रबंधन, पुस्तकों को लेकर नए-नए प्रयोग करते रहता है। साल 2021 में गीता प्रेस ने जापान से कलर प्रिंटिंग मशीन कोमोरी मंगाई। यह अबतक की सबसे आधुनिक कलर प्रिंटिंग मशीन है। इस मशीन के आने के बाद गीता प्रेस में आर्ट पेपर पर रंगीन पुस्तकों के प्रकाशन का सिलसिला शुरू हो गया। अप्रैल 2021 में सबसे पहले श्रीमद्भागवत गीता का प्रकाशन शुरू हुआ। इस पुस्तक को लोगों ने खूब पसंद किया। श्रीमद्भावगत गीता पहले साधारण कागज पर ब्लैक एंड व्हाइट छपती थी। लोगों की पसंद को देखते हुए गीता प्रेस ने इसके बाद 2022 में दुर्गा सप्तशती और फिर सुंदरकांड का प्रकाशन शुरू किया। इन पुस्तकों को भी लोगों ने हाथों-हाथ लिया।

अनुसूचित जाति सम्मेलन में पहुंचे योगी, 501 करोड़ की योजनाओं का करेंगे शिलान्यास व लोकार्पण

एजेंसी

कानपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ कानपुर शहर को 501 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। इसमें 260.92 करोड़ के 43 कार्यों का शिलान्यास व 240.08 करोड़ के 110 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। कानपुर में शनिवार को राष्ट्रीय इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित अनुसूचित जाति सम्मेलन में सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर दीप प्रज्जवलित किया। बता दें कि यहां से मुख्यमंत्री पांडु नगर स्थित आईटीआई मैदान में करीब दो बजे पहुंचेंगे। इसके बाद जेके मंदिर में आयोजित 1001 महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री 3:10 बजे यहां से लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री 501 करोड़ से अधिक की योजनाओं को शिलान्यास व लोकार्पण भी करेंगे।

एक नज़र

पेट की परीक्षा में दो साल्वर पकड़े गए, एक मूल अभ्यर्थी भी गिरफ्तार

प्रयागराज। यूपी ट्रिपलएससी की ओर से आयोजित प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा में प्रयागराज में दो साल्वर पकड़े गए। एक मूल अभ्यर्थी भी गिरफ्तार किया गया है। यूपी ट्रिपलएससी की ओर से आयोजित प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा में प्रयागराज में दो साल्वर पकड़े गए।एक मूल अभ्यर्थी भी गिरफ्तार किया गया है। शिवकुटी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से एक साल्वर और एक मूल अभ्यर्थी पकड़ा गया, जबकि सिविल लाइंस में रानी रेवती देवी इंटर कॉलेज से दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते हुए मुकेश यादव को पकड़ा गया है। उसने खुद को पटना का रहने वाला बताया है। पुलिस उससे पूछताछ में जुटी है। शिवकुटी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में बिहार निवासी जैकी शर्मा को आशीष कुमार यादव के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया है। आशीष मूल रूप से गाजीपुर का रहने वाला है, जिसे जैकी की निशानदेही पर परीक्षा केंद्र के बाहर से हिरासत में लिया गया।

बदमाशों ने दो पशु व्यापारियों को पीटा, फायरिंग, 35 हजार रुपये लूटे

अलीगढ़। अतरौली कस्बा के मोहल्ला कस्साबान निवासी दो पशु व्यापारी 28 अक्तूबर की सुबह दोनों लोग बाइक से भैंस खरीदने गए थे। गांव बिनामई में सौदा नहीं बनने बाद दोनों वापस लौट रहे थे, तभी दो बाइकों पर आए चार लोगों ने उन्हें तमांचा दिखाते हुए रोक लिया। बदमाशों ने दोनों को डंडों से बुरी तरह पीटा और 35 हज़ार रुपये लूट लिए। अलीगढ़ में अतरौली कोतवाली के गांव बिनामई और कुंजलपुर के बीच दो पशु व्यापारियों से बदमाश फायरिंग कर 35 हज़ार रुपये लूट ले गए। दोनों के चोटें आई हैं। उन्हें उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अतरौली कस्बा के मोहल्ला कस्साबान निवासी इरफान खा पुत्र बुंदु खा व शकील पुत्र जहूर खान पशु व्यापारी हैं। 28 अक्तूबर की सुबह दोनों लोग बाइक से भैंस खरीदने गए थे। गांव बिनामई में सौदा नहीं बनने बाद दोनों वापस लौट रहे थे, तभी दो बाइकों पर आए चार लोगों ने उन्हें तमांचा दिखाते हुए रोक लिया। बदमाशों ने दोनों को डंडों से बुरी तरह पीटा और 35 हज़ार रुपये लूट लिए। शोर मचाने पर बदमाशों ने गोली मारने की धमकी देते हुए फायरिंग कर डाली। इस घटना में दोनों व्यापारी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली।

पुलिस ने मुठभेड़ में दो गो तस्करों को किया गिरफ्तार, एक को लगी गोली; सिपाही भी घायल

बरेली। बरेली के हाफिजगंज थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के पुलिस ने मुठभेड़ में दो गो तस्करों को दबोच लिया। एक तस्कर के पैर में गोली लगी है। मुठभेड़ में सिपाही भी घायल हुआ है। बरेली के हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव सुंदरी के नजदीक 25 अक्तूबर को हुई गोकशी के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने शनिवार तड़के मुठभेड़ में सलीम नाम के दो गो तस्करों को गिरफ्तार किया। इनमें एक रामपुर तो दूसरा आरोपी मुरादाबाद का निवासी है। एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि 25 अक्तूबर की रात हाफिजगंज क्षेत्र के गांव सुंदरी में गोकशी की घटना हुई थी। उसी के आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। शनिवार सुबह चार बजे ग्रेम गांव के पास लाडपुर गौंटिया मार्ग पर पीलीभीत बाईपास के पास एक बाइक पर संदिग्ध लोग दिखे।

गोली लगने से सिपाही भी घायल

पुलिस ने बाइक रुकवाने की कोशिश की। इस पर बाइक सवारों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। हाफिजगंज थाने के कांस्टेबल हीरालाल राठी गोली लगने से घायल हो गए। इस बीच पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली जा लगी। पुलिस ने उसे व उसके साथी को पकड़ लिया।

दोनों तस्करों के नाम सलीम

पकड़े गए तस्करों में घायल शख्स सलीम पुत्र कलुआ निवासी गांव टोडीपुरा थाना टांडा, जिला रामपुर है, जबकि उसका साथी सलीम पुत्र शकूर निवासी गांव दोलपुरी थाना भगतपुर जिला मुरादाबाद का निवासी है। दोनों ने बताया कि 25 अक्तूबर को गोकशी की घटना उन्हीं लोगों ने की थी। उनके साथी समीर कुंजा निवासी कस्बा सेंथल थाना हाफिजगंज और कुंजी पुत्र बल्लाह निवासी कस्बा महम जिला रोहतक हरियाणा के अलावा दो अन्य लोग भी घटना में शामिल थे। आरोपियों से दो तमंचे, तीन कारतूस, एक बाइक और पशु काटने के उपकरण बरामद हुए हैं।

रास्ते के विवाद में महिला खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाई

एजेंसी

वाराणसी। कारखियांव गांव की रहने वाली पार्वती यादव (50) के घर के समीप स्थित खड़ंजा मार्ग है। उसी को लेकर पड़ोस के ग्रामीणों से लंबे समय से विवाद चल रहा है। शनिवार को खड़ंजा मार्ग पर मिट्टी गिराई जा रही थी। पार्वती यादव ने रास्ते पर मिट्टी गिराने का विरोध किया। बात न बनने पर उसने खुद पर पेट्रोल उड़ेल कर आग लगा लिया। वाराणसी के फूलपुर थाना के करखियाव गांव में शनिवार को रास्ते के विवाद में एक महिला ने आत्मघाती कदम उठाया। महिला ने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा ली। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझा कर महिला को सीएचसी पिंडरा में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई गई है। कारखियांव गांव की रहने वाली पार्वती यादव (50) के घर के समीप स्थित खड़ंजा मार्ग है। उसी को लेकर पड़ोस के ग्रामीणों से लंबे समय से विवाद चल रहा है। शनिवार को खड़ंजा मार्ग पर मिट्टी गिराई जा रही थी। पार्वती यादव ने रास्ते पर मिट्टी गिराने का विरोध किया। बात न बनने पर उसने खुद पर पेट्रोल उड़ेल कर आग लगा लिया। गंभीर रूप से झुलसी पार्वती को पिंडरा सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर मौके पर फूलपुर थाने की पुलिस और पिंडरा तहसील के राजस्व अधिकारी मौजूद है।

सीएम योगी ने औरैया को दी करोड़ों की सौगात, बोले- विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है डबल इंजन की सरकार

एजेंसी

औरैया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ औरैया जिले में बनकर तैयार लगभग 238 करोड़ की 81 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 448 करोड़ की 64 परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को औरैया के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। जातिवाद और परिवारवाद को बढ़ावा देने वालों ने विकास से किनारा किया। इससे पहले उनका हेलीकॉप्टर सुबह 11.10 पर इंडिया पाइका मैदान में लैंड हुआ। इसके बाद सीएम सीधे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां सांसद राज्यसभा गीता शाक्य व सदर विधायक गुड़िया कठेरिया ने पुष्पगुच्छ और राम दरबार की मूर्ति देकर स्वागत किया। इसके बाद बच्ची को मुख्यमंत्री ने खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। साथ ही उसके पैरो में पायलें भी पहनाई और उपहार भी दिया। साथ ही, विद्युत सखी को राजकीय आजीविका मिशन के तहत ढाई लाख की चेक सौंपी। वहीं, छात्राओं को लैपटॉप और टैबलेट दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले में बनकर तैयार लगभग 238 करोड़ की 81 परियोजनाओं का लोकार्पण और 448 करोड़ की 64 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसमें बड़ी परियोजना में औरैया-बिधूना मार्ग पर 67.73 करोड़ की लागत से बनने वाली रेल ओवरब्रिज परियोजना है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में सम्मेलन किया गया है। महिलाओं की उपस्थिति देखकर समझ में आया कि हमारे पूर्वजों ने नारी को शक्ति क्यों कहा है। उन्होंने कहा कि विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री जी ने इस अधिनियम को पारित कराया है।

मुख्यमंत्री के भाषण के मुख्य अंश...

भारत दुनिया का वह देश है, जहां आधी आबादी को वोट देने का अधिकार मिला। ब्रिटेन की महिलाओं को भारत के बाद सम्मान मिला है। डबल इंजन की सरकार विकास के कार्य आगे बढ़ाने का काम कर रही है। बेटियो और महिलाओं को सुरक्षा देने, शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उनके आगे का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ में पहले जो आंकड़े आते थे। वो बेहद चौंकाने वाले होते थे। भ्रूण हत्या के आंकड़े भी भयभीत करने वाले आते थे। अब कहीं भी बेटियों को पेट में नहीं मारा जा सकेगा। इसके लिए प्रधानमंत्री जी ने सख्त नियम बनाए हैं, जिससे आज अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री सुमंगला योजना में अगले सत्र में 25 हजार देने का प्रावधान किया जा रहा है। बेटी के जन्म लेते ही उसको योजना का लाभ दिया जाएगा। पहली क्लास में जाएगी, छटवीं क्लास और नौवीं क्लास में जाएगी, तो खाते में पैसा आएगा। मुख्यमंत्री वैवाहिक योजना में 51 हजार रुपए खाते में भेजे जाएंगे। 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद नंगे पैर स्कूल जाने वाली बच्चो को दो ड्रेस, जूता-मौजे आदि के लिए रजिस्ट्रेशन होते ही 12 सौ रुपये खाते में भेजे जाते हैं। जातिवाद और परिवारवाद को बढ़ावा देने वालो ने विकास से किनारा किया।

अंडे-दूध डिलीवर करने के दौरान युवक बना हैवान

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। वारदात में पीड़िता घायल हो गई। युवती अपनी बहन के मगेतर के घर आई हुई थी। शुक्रवार तड़के उसने कुत्तों को खिलाने के लिए अंडे और दूध ऑर्डर किए थे। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रेनो वेस्ट की ईकोविलेज-1 सोसाइटी में शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां ऑनलाइन ग्रॉसरी स्टोर के डिलीवरी ब्वॉय ने युवती से दुष्कर्म की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता से मारपीट कर फरार हो गया। वारदात में पीड़िता घायल हो गई। युवती अपनी बहन के मगेतर के घर आई हुई थी। शुक्रवार तड़के उसने कुत्तों को खिलाने के लिए अंडे और दूध ऑर्डर किए थे। पुलिस ने आरोपी अच्छेजा गांव निवासी सुमित शर्मा पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी करीब नौ मिनट तक फ्लैट में रहा। वह सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है। नोएडा के सेक्टर-20 निवासी युवती की बहन का विवाह ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटी निवासी युवक से तय हुआ है। युवती की बहन का मगेतर और उसके परिजन किसी रिश्तेदार की मृत्यु होने पर शोक प्रकट करने गए थे। मगेतर के घर में दो पालतू कुत्ते हैं। पीड़िता कुत्तों की देखभाल के लिए उनके घर आई हुई है। शुक्रवार तड़के लगभग चार बजे पीड़िता ने ऑनलाइन आर्डर कर कुत्तों के लिए दूध और अंडे मंगाए। डिलीवरी ब्वॉय सुमित शर्मा दूध और अंडे लेकर सोसाइटी पहुंचा। आरोप है कि ऑर्डर देने के दौरान आरोपी सुमित फ्लैट में घुस आया। उसने पीड़िता से दुष्कर्म की कोशिश की। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट की। पीड़िता के शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटने शुरू हो गए। इस बीच आरोपी चकमा देकर फरार हो गया। बिसरख कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपी सुमित के गांव में युवती का एक पूर्व परिचित भी रहता है। युवती ने दुष्कर्म की कोशिश का आरोप लगाया है। आरोपी ने पीड़िता से मारपीट की। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नौ मिनट तक फ्लैट में रहा डिलीवरी ब्वॉय

पुलिस ने सोसाइटी के सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन आदि खंगाली है। छानबीन में पता चला है कि आरोपी लगभग नौ मिनट तक फ्लैट में रहा। सोसाइटी के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी आता-जाता दिख रहा है। जांच में यह बात सामने आई है कि पीड़िता के शोर मचाने पर आसपास के लोग एकत्रित हो गए थे। इस बीच आरोपी कहीं छुप गया। मौका मिलते ही आरोपी निकलकर और अपनी बाइक लेकर मेनगेट से फरार हो गया। सोसाइटी के सुरक्षाकर्मी भी उसे पकड़ नहीं पाए।

दीपावली से पहले ही नगर निगम का खजाना खाली

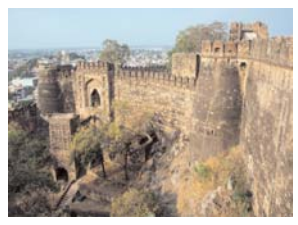

एजेंसी

झांसी। त्योहारी सीजन में जब जगह-जगह सड़क-गली, पार्क आदि की मरम्मत एवं निर्माण की जरूरत होती है, तब ऐसे समय में निगम का खजाना खाली हो गया। जनरल फंड तकरीबन पूरा खाली पड़ा है। ऐसे में करीब दो माह तक नगर निगम कोई भी बड़ा काम अपने फंड से कराने की हैसियत में नहीं है। नगर निगम का निर्माण विभाग पूरी तरह जनरल फंड के भरोसे रहता है लेकिन, भारी देनदारियां चुकाने की वजह से निगम का जनरल फंड भी खाली हो चला है। उधर, पांचवें वित्त आयोग में भारी-भरकम कटौती होने से कर्मचारियों को वेतन बांटने में भी जनरल फंड से पैसा मिलाना पड़ रहा। हालात यह हैं कि जनरल फंड में करीब 20-22 लाख रुपये ही बचे हैं। ऐसे में छोटे-मोटे पैच कराना भी नगर निगम के लिए भारी है। नए काम कराने के लिए नगर निगम को पंद्रहवें वित्त आयोग या शासन से मिलने वाले विशेष अनुदान के ही सहारे रहना पड़ रहा है। पैच समेत अन्य काम न कराए जाने से पार्षदों में भी रोष है। पार्षदों ने नगर आयुक्त से मिलकर रोष भी जताया है। उधर, अधिशासी अभियंता एमके सिंह का कहना है कि वार्डों में काम प्रभावित न हो इसके लिए शासन के पास विशेष कार्ययोजना भेजी जा रही है। मंजूर होने पर इसके जरिए काम कराए जाएंगे।

आज एक घंटा 22 मिनट रहेगा चंद्र ग्रहण, सूतक काल में मंदिरों के कपाट रहेंगे बंद

एजेंसी

मेरठ। देश भर में आज वर्ष का आखिरी चंद्रग्रहण होगा। इस दिन सूतक काल रहेगा। आज शरद पूर्णिमा भी है। चंद्रग्रहण रात्रि 01:05 से आरंभ होगा लेकिन इसका सूतककाल शाम चार बजे से शुरू हो जाएगा। इस वर्ष मंदिरों और घरों में 28 अक्तूबर की जगह एक दिन पूर्व ही शरद पूर्णिमा मनाई गई। दरअसल, इस दिन साल का आखिरी चंद्रग्रहण होने से इस दिन सूतक काल रहेगा। इसलिए ठाकुरजी के खीर का भोग एक दिन पहले लगा दिया गया। शनिवार यानी आज शरद पूर्णिमा पर चंद्रग्रहण रात्रि 01:05 से आरंभ होगा लेकिन इसका सूतक सांय 04.00 बजे से ही आरंभ हो जाएगा। सूतक काल में मंदिरों कपाट भी बंद रहेंगे, लेकिन धार्मिक अनुष्ठान व भजन कीर्तन किया जाएगा। यह चंद्रग्रहण अश्विन पूर्णिमा को 28 व 29 अक्तूबर को मध्यरात्रि को पूरे भारत में खंडग्रास के रूप में दिखाई देगा। 1 बजकर पांच मिनट पर यह चंद्रग्रहण चंद्रोदय के समय शुरू हो जाएगा। भारत के सभी शहरों में 28 अक्तूबर को शाम चार बजे से छह बजे के बीच चंद्रोदय हो जाएगा। यह खंडग्रास चंद्रग्रहण 28 अक्तूबर की रात्रि 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगा। भारत के सभी नगरों में इसका प्रभाव दिखाई देगा।

साल का अंतिम चंद्रग्रहण आज, इतने बजे से लगेगा सूतक काल; ठाकुर जी को छोड़ इन मंदिरों के पट रहेंगे बंद

एजेंसी

आगरा। साल 2023 का आखिरी चंद्रग्रहण 28 अक्टूबर यानि आज है। आगरा में शाम 4 बजकर 5 मिनट से सूतक लग जाएगा। रात 1 बजकर 4 मिनट से चंद्रग्रहण शुरू हो जाएगा। कहते हैं, ग्रहण के समय भगवान के कष्टों को कम करने के लिए मंदिरों के पट बंद रखे जाते हैं, लेकिन शहर के यमुना किनारे स्थित पुष्टिमार्गीय प्राचीन मथुराधीश मंदिर में ठाकुर जी के बाल स्वरूप को भय न लगे, इसलिए ग्रहण में भी यह मंदिर खुलता है। हालांकि सूतक लगने के कारण शाम 4 बजे से शहर के सभी मंदिरों के पट बंद रहेंगे। अगले दिन मंदिरों की साफ-सफाई होने के बाद पट पुनः खोले जाएंगे। शनिवार को शरद पूर्णिमा की रात साल के आखिरी चंद्रग्रहण व शाम 4 बजे सूतक लगने के कारण शहर सभी मंदिर बंद रहेंगे, लेकिन श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को ग्रहण में अकेला न छोड़ने के कारण रातभर पुष्टिमार्गीय मथुराधीश मंदिर के पट खुले रहेंगे। मंदिर के महंत जुगल श्रोतिय ने बताया कि पूरे आगरा में एकमात्र मंदिर है, जिसमें ठाकुर जी की बाल स्वरूप में पूजा होती है। ग्रहण तक मंदिर में रात भर महामंत्र कीर्तन का आयोजन किया जाता है।

शहर के प्रमुख मंदिर इस समय तक रहेंगे बंद

1- कैलाश महादेव मंदिर सुबह 4 बजे खुलेगा। दोपहर 3 बजे तक पूजा होने के बाद शाम 4 बजे मंदिर के पट बंद हो जाएंगे। रविवार सुबह 4 बजे मंदिर खुलेगा।

2- मनकामेश्वर मंदिर में सुबह 5 बजे खुलेगा । पूरे दिन भर की पूजा दोपहर 3 बजे तक एक बार में हो जाएगी।

3- बल्केश्वर महादेव मंदिर सुबह 5:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक खुलेगा। फिर अगले दिन रविवार की सुबह मंदिर के पट खोले जाएंगे।

4- लंगड़े की चौकी स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर सुबह 5 बजे खुलेगा। सूतक के कारण शाम 4 बजे मंदिर के पट बंद हो जाएंगे।

अयोध्या जिलाधिकारी नितीश कुमार ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अहर्ता तिथि 01 जनवरी 2024 से आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 अभियान के तहत मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का झुनझुनवाला पीजी कॉलेज हांसापुर, अयोध्या में दीप प्रज्ज्वलित कर व मां सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया । इस अवसर पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष निरीक्षण अभियान के तहत समस्त बूथ लेवल ऑफिसर्स यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके क्षेत्र के सभी पात्र बताता मतदाता सूची में पंजीकृत हो जाएं इस हेतु जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले पूर्ण करने वाले प्रत्येक नागरिक का मतदाता सूची में नाम अंकित करना उनके कर्तव्य निर्वहन की प्रथम सीढ़ी है तथा दूसरा सकारात्मक रूप से अपने कर्तव्यों का तार्किक तरीके से मतदान दिवस के दिन मतदान में भाग लेना व मतदान करना है। उन्होंने जनपद वासियों से अपील की है कि जो व्यक्ति 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे है या पूर्ण कर चुके है तथा अभी तक उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नही है, वे अपना आवेदन फार्म-6 पर प्रस्तुत कर मतदाता सूची में नाम दर्ज करा अवश्य शामिल कराएं। उन्होंने कहा कि दावा प्रस्तुत करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि प्रारूप की समस्त प्रविष्टियों को भरा जाय तथा उस पर दावेदार के हस्ताक्षर/अंगूठा निशान लगाये जाय। प्रारूप-6 के साथ आयु एवं निवास के सम्बंध में साक्ष्य एवं अद्यतन पासपोर्ट साइज की रंगीन फोटो संलग्न करना आवश्यक होगा। उन्होंने आगे बताया कि मतदाता सूची में दर्ज किसी प्रविष्टि को शुद्ध कराने के लिए मतदाता फार्म-8 पर अपना रंगीन पासपोर्ट साइज का एक फोटो लगाकर संशोधित किये जाने वाले प्रविष्टि से सम्बंधित साक्ष्य संलग्न कर बी0एल0ओ0 के पास जमा कर संशोधन कराया जा सकता है तथा मतदाता सूची/फोटोरोल से किसी मतदाता का नाम अपमार्जित कराने हेतु फार्म-7 पर आवेदन किया जा सकता है। कोई मतदाता उसी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में अपना स्थान परिवर्तन कराने के लिए फार्म-8 पर आवेदन कर स्थान परिवर्तन करा सकता है। यदि दूसरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में शिफ्ट हो गया हो तो पूर्व के पते से नाम अपमार्जित कराते हुये नवीन स्थान के लिए फार्म-6 पर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। इस अवसर पर बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनुरुद्ध प्रताप सिंह व उप जिलाधिकारी सदर राज कुमार पांडेय ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है, जिसके अनुसार आज समस्त मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन कर दिया जायेगा। उन्होंने आगे बताया कि दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की तिथि आज दिनांक 27 अक्टूबर से दिनांक 9 दिसम्बर 2023 तक है इस अवधि में दावे और आपत्तियां प्राप्त करने हेतु कुल 6 विशेष अभियान की तिथियां यथा दिनांक 04 नवम्बर 2023, दिनांक 5 नवम्बर, दिनांक 25 नवम्बर, दिनांक 26 नवम्बर एवं दिनांक 02 दिसम्बर 2023 तथा 03 दिसम्बर 2023 है, दावे और आपत्तियों का निस्तारण दिनांक 26 दिसम्बर 2023 तक व निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन दिनांक 05 जनवरी 2024 को किया जायेगा। आयोग द्वारा उक्त अवधि में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के बूथ लेबल एजेंटों के साथ पदाभिहित स्थानों पर दावों और आपत्तियां प्राप्त करने हेतु कुल 6 विशेष अभियान की तिथियों पर समस्त बीएलओ अपने अपने बूथ पर उपस्थित रहेंगे।

गोरा बाजार के नारायणपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का फंदे से लटकता हुआ शव मिलने से मचा हड़कंप

संवाददाता

रायबरेली। रायबरेली में एक महिला का शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिलने से हड़कंप मच गया सूचना पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस टीम जांच में जुटी हुई है घटना आज 27 अक्टूबर 2023 दिन शुक्रवार को समय करीब 11ः00 बजे के आसपास की बताई जा रही है यहां रायबरेली जनपद के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के गोरा बाजार के नारायणपुर में एक महिला का संदीप परिस्थितियों में शव कमरे के अंदर लटकता हुआ पाया गया सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतिका पूजा मिश्रा पत्नी आशीष मिश्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही हेतु भेज दिया है घटना को लेकर शहर कोतवाल संजय त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि कोतवाली पुलिस को शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना का मुख्य कारण पता चल पाएगा साथ ही स्थानीय लोगों से वह मृतका के परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

शक्ति बंदना में नारी शक्ति भी आगे

संवाददाता

लखनऊ। बताते चले कि इस बार नवरात्रि के अवसर पर सभी विसर्जन यात्रा में महिलाएं भी आगे रही नगर पंचायत उनवल में हुए विभिन्न मूर्ति विसर्जन के समय एक अलग ही नजारा श्री श्री दुर्गा पूजा नवयुवक समिति नगर पंचायत उनवल पुरानी बाजार की प्रतिमा मे देखने को मिला जहां पुरषों की तरह महिलाओं की भी अच्छी संख्या रही बताते चलें कि नगर पंचायत उनवल में सबसे बड़ी प्रतिमा नगर पंचायत अनमोल पुरानी बाजार में स्थापित होती है जहां पर पूरी विधि विधान से कार्यक्रम संपन्न होते हैं और इस पंडाल के हर एक कार्यक्रम में महिलाओं की भी भागीदारी पुरुषों की अपेक्षा बराबर रहती है कल हुए विसर्जन में महिलाओं द्वारा भारी संख्या में निकालकर भक्ति गीतों पर झूमते हुए शोभायात्रा निकाली शोभायात्रा के पश्चात समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया था जिसमें पंडाल से गुजरने वाले प्रत्येक प्रतिमाओं के श्रद्धालुओं के लिए जल एवं प्रसाद का वितरण किया गया श्री श्री दुर्गा पूजा नवयुग समिति के सदस्य को इंद्र कुमार निगम नागेंद्र जायसवाल अजय जायसवाल पवन कुमार निगम अश्वनी गुप्ता देवानंद निगम रजत मोहन साहू पंकज गुप्ता उमंग निगम कृष्ण निगम मनोज चौरसिया सूरज गुप्ता सहित सभी मां भक्ति उपस्थित रहे।

एक नज़र

शहर के प्रभु टाउन स्थित झाड़ियां में खून से लथपथ मिला युवक का शव सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी

रायबरेली। रायबरेली में खून से लथपथ संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही हेतु भेज दिया है। घटना दिनांक 27 अक्टूबर 2023 दिन शुक्रवार को समय करीब 9ः00 बजे के आसपास की बताई जा रही है। जब स्थानीय कुछ लोग उधर से निकले तो झाड़ियां में उन्हें एक शव पड़ा हुआ मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग भी शव देखने के लिए जमा हो गए। घटना की जानकारी पर पहुंची शहर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही हेतु भेज दिया है। घटना पर शहर कोतवाल संजय त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया है कि मृतक की अभी शिकायत नहीं हो पाई है कि मृतक कहां का रहने वाला है कहां का नहीं। इसकी भी जानकारी कराई जा रही है। वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना का मुख्य कारण पता चल पाएगा।

रौनाही थाना पुलिस ने महिलाओं पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले तीन के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

सोहावल अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र अंतर्गत ड्योढी बाजार में मूर्ति विसर्जन के दौरान महिलाओं पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले गैर समुदाय से जुड़े तीन युवकों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। घटना को लेकर दोनों समुदायों के बीच अभी भी तनाव बना हुआ है। लेकिन स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए पुलिस का कड़ा पहरा बाजार में बना हुआ है। आरोप है कि बुधवार को शाम ड्योढ़ी बाजार में मूर्ति विसर्जन के दौरान शोभायात्रा निकाली गई थी। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल महिलाएं अपने घर वापस जा रही थी। इस बीच बाजार में गैर समुदाय से जुड़े कुछ युवकों ने हिंदू समाज से जुड़ी महिलाओं के खिलाफ अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए टिप्पणी कर दिया था। इसके बाद बाजार में हालात बिगड़ने लगे और दोनों समुदायों के बीच बवाल की स्थिति उत्पन्न होने लगी। घटना की भनक लगते ही थाना प्रभारी ओपी राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और स्थिति पर नियंत्रण पा लिया। इस दौरान देर रात तक एसडीएम सोहावल मनोज श्रीवास्तव, एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने घटना पर नजर बनाए रखा। इसके बाद अंकित जायसवाल की तहरीर पर पुलिस ने बाजार निवासी करिया पुत्र युसूफ, अकबर पुत्र महबूब,सलमान पुत्र मंसूर के खिलाफ आईपीसी की धारा 147,323,504,506 के तहत मुकदमा दर्ज कर युवकों की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी है। जबकि बाजार में स्थिति शांति व्यवस्था कायम रखने के पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है।रौनाही थाना प्रभारी ओपी राय ने बताया की स्थिति नियंत्रण में है। किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाजार में पुलिस मुस्तैद कर दी गई है। उन्होंने बताया आरोपियों के गिरफ्तारी के प्रयास जारी।

ड्योढी बाजार में युवक द्वारा बालिका को अगवा करने के विरोध में आक्रोशित व्यापारियों ने बंद रखी दुकानें

रौनाही थाना पुलिस ने आरोपी की धड़ पकड़ ले लिए तेज किया प्रयास

सोहावल अयोध्या। रौनाही थाना छेत्र अंतर्गत ड्यौढ़ी बाजार में गत दिवस मूर्ति विसर्जन के समय सम्प्रदाय विशेष के साथ प्रारंभ हुआ बवाल थमता नहीं दिख रहा है। मंगलवार को मां दुर्गा की मूर्तियां को विसर्जन के लिए बिदा करने के बाद एक सम्प्रदाय विशेष के युवक ने महिलाओं को आपत्ति जनक टिप्पणी की थी जिसे लेकर विवाद हो गया था। एसडीएम, एसपीआरए व थाना अध्यक्ष रौनाही ने ड्योढ़ी बाजार पहुंच कर मामले को शांत कराया था। तब से पुलिस वहां कैम्प कर रही है। बताया जाता है कि गुरुवार को भी भण्डारे के वक्त वहां काफी फोर्स मौजूद रहीं। फिर भी गुरुवार की रात सम्प्रदाय विशेष के युवक ने एक किशोरी को गायब कर दिया । इसे लेकर ड्योढ़ी बाजार में शुक्रवार को एक बार फिर से तनाव बढ़ गया है। बाजार वासियो ने अपनी दुकानें बंद कर रखी है। बालिका को अगुवा करने व योजना में शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रर्दशन किया । चर्चा है कि इस घटना में शामिल होने की आशंका में रौनाही पुलिस ने कुछ लोगो पकड़ा है जिनसे जानकारी की जा रही है । इस घटना में। आरोपी की तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है । इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है और ड्योढ़ी बाजार में काफी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

अयोध्या में पूर्व मंत्री तेजनारायन पांडेय पवन ने किया जुलूसे गौसिया का स्वागत

अयोध्या। अयोध्या में जुलूसे गौसिया का स्वागत रीडगंज चौराहे पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन , जिला अध्यक्ष पारस नाथ यादव महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व महानगर महासचिव हामिद जफर मीसम ने मौलाना शमसुल कमर, मौलाना बगदादी को माला पहनाकर स्वागत किया । इस अवसर पर सपा महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया कि इस मौके पर स्वागत करने वालों में पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन, जिला अध्यक्ष पारस नाथ यादव,महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हामिद जफर मीसम , पूर्व सभासद/जिला सचिव वसी हैदर गुड्डू, महानगर सचिव वीरेन्द्र गौतम, जगन्नाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष अरौनी पासवान, जय प्रकाश यादव, पार्षद मुकेश कोरी, छात्र संघ अध्यक्ष आभास कृष्ण यादव कान्हा, जिला सचिव अंसार अहमद बब्बन,अखिलेश चतुर्वेदी इत्यादि लोग मौजूद थे ।

खोया मंडी स्थित संगम स्वीट्स की दुकान से खरीदी गई गुझिया में निकला मरा हुआ जहरीला जंतु वीडियो वायरल

संवाददाता

रायबरेली। रायबरेली में मिठाई की दुकान से खरीदी गई गुझिया में एक मरा हुआ जहरीला जंतु निकला है।जहरीला निकलने का वीडियो वायरल हुआ तो जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई की दुकान पर पहुंच कर गुझिया के नमूने भरे हैं। दिनाँक 27 अक्टूबर 2023 दिन शुक्रवार को समय करीब 1 बजे सहर कोतवाली थाना क्षेत्र के खोया मंडी स्थित संगम स्वीट हाउस की दुकान से खरीदे गए गुझिया में खंनखजूरा निकलने के वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि गुझिया में खनखजूरा है। वीडियो में एक व्यक्ति की आवाज भी सुनाई दे रही है कि संगम स्वीट हाउस से खरीदे गए गुझिया का यह हाल है। वीडियो का संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने संगम स्वीट हाउस पर छापेमारी कर गुझिया के सैंपल भर लिए हैं और जांच के बाद कार्यवाही का हवाला दिया है।

मलिहाबाद बार एसोसिएशन का चुनाव हुआ संपन्न, जश्न में डूबे अधिवक्ता

❖ अध्यक्ष जसकरन सिंह को कुल 75 मत व संयुक्त मंत्री राम शंकर को 89 मत मिले।

संवाददाता

मलिहाबाद। तहसील मलिहाबाद बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव 2023-2024 शुक्रवार को सकुशल संपन्न हो गया। जिसमें जसकरन सिंह (जेके सिंह) अध्यक्ष चुने गये। इसी तरह संयुक्त मंत्री पद के लिए रामशंकर को चुना गया। जिसमें जसकरन सिंह को कुल 75 मत मिले और संयुक्त मंत्री के लिए राम शंकर को 89 मत मिले। जबकि अध्यक्ष जसकरन सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सम्राट सिंह को 46 वोट मिले है। आपको बता दें कि शुक्रवार को तहसील मलिहाबाद बार एसोसिएशन का चुनाव परिणाम जारी किया गया। जिसमें सभी अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विजयी एवं निर्विरोध निर्वाचित होने वाले पद का परिणाम इस प्रकार है

निर्विरोध निर्वाचितः (1 पद उपाध्यक्ष)- राजाराम एड, (वरिष्ठ कार्यकारणी 6 पद) श्रीकृष्ण एड, राजेश कुमार यादव एड, गया प्रसाद एड, दौलतराम एड, राम प्रसाद एड, अमीर चंद्र एड निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये जाते हैं ।

मत के आधार पर निर्वाचित :- (1पद अध्यक्ष)- जसकरन सिंह एड (महामंत्री 1पद)- राम भरोसे रावत एड (उपाध्यक्ष मध्य 2 पद)- अनिल कुमार यादव एड, किशोरी लाल एड (उपाध्यक्ष कनिष्ठ 1पद)- सुधीर कुमार एड (कोषाध्यक्ष 1 पद) - जीतेन्द्र कुमार एड (संयुक्तमंत्री 3 पद) - रामशंकर एड, संतोष कुमार एड प्रकाश चंद्र गौतम एड (कनिष्ठ कार्यकारिणी 6 पद)- असद अली अंसारी एड अंकुर कुमार गौतम एड शुभम तिवारी एड सर्वेश कुमार एड देवेंद्र सिंह एड रमित कुमार आदि तहसील के बार एसोसिएशन के चुने गए पदाधिकारियों को बधाई देने वालों का तांता लग गया।

देसी शराब की ओवर रेटिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

आबकारी विभाग की मिलीभगत से 68 पौआ बिक रहा 80 रुपए में

संवाददाता

कुवरगांव । बदायूं। जनपद मे खुल्लम खुल्ला ओवर रेट बिक रही देशी शराब, शिकायत करने पर नहीं हो रही कोई भी कार्यवाही। खुदरा मूल्य पर नही बेची रही शराब। शराब माफिया देशी क्वाटर 36 डिग्री का जिसका मूल्य- 68 रुपये है वह 80 रुपये मे धड़ल्ले से बेच रहे हैं। किसी भी दुकान पर रेट लिस्ट, टोल फ्री नम्बर तक नही लगाया गया है जिससे ग्राहक शिकायत न कर सके। पूरे जिले में सिंडिकेट 95 प्रतिशत का मालिक है। प्रतिदिन लाखो रूपये का ओवररेट व वारदाना होता है बाबजूद इसके ओवररेटिंग भी की जाती है जिसकी अगर कोई शिकायतकर्ता आबकारी विभाग को लिखित शिकायत करता है तो शिकायत करने पर कोई कार्यवाही नही होती है। आबकारी विभाग शराब माफिया से मिलकर अपने आप जाँच करके गलत आख्या लगा देते हैं। जो कि कानूनन गलत है एवं सरकार के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। आबकारी विभाग किसी प्रकार की जाँच नहीं करता है। वह शराब माफिया के इशारे पर कार्य करता है। देशी शराब का पौआ 68 का 80 रुपए में बेचने का शोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है जो कुवरगांव कस्बे की देशी शराब की दुकान का बताया जा रहा है किसी ने वीडियो बनाकर शोशल मीडिया पर वायरल कर दिया वायरल वीडियो में ग्राहक सेलमैन से कहता हुआ नजर आ रहा किस पर रेट 68 रुपए पड़ा है तो सेल्समैन वे झिझक कहता नजर आ रहा है कि यहां क्यों चले आए यहां तो 80 में ही मिलेगा और बदायूं में 75 का मिलेगा ।क्या आबकारी विभाग की मिलीभगत से ही ओवर रेटिंग का धंधा चल रहा है जो सेल्समैन को भी सभी जगह की ओवरेटटिंग के बारे में जानकारी है।

गोरा बाजार के नारायणपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का फंदे से लटकता हुआ शव मिलने से मचा हड़कंप

संवाददाता

रायबरेली। रायबरेली में एक महिला का शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिलने से हड़कंप मच गया सूचना पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस टीम जांच में जुटी हुई है। घटना दिनांक 27 अक्टूबर 2023 दिन शुक्रवार को समय करीब 11ः00 बजे के आसपास की बताई जा रही है। यहां रायबरेली जनपद के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के गोरा बाजार के नारायणपुर में एक महिला का संदिग्ध परिस्थितियों में शव कमरे के अंदर लटकता हुआ पाया गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतिका पूजा मिश्रा पत्नी आशीष मिश्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही हेतु भेज दिया है। घटना को लेकर शहर कोतवाल संजय त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि कोतवाली पुलिस को शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना का मुख्य कारण पता चल पाएगा। साथ ही स्थानीय लोगों से व मृतका के परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय कोल्हार में महिला स्टाफ द्वारा जागरूकता कार्यक्रम संपन्न किया गया

संवाददाता

बदायूं। सहसवान भारत सरकार के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पलह पर प्रदेश भर में मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में आज सहसवान विकासखंड के ग्राम कोलहार प्राथमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं एवं महिलाओं को महिला कांस्टेबल पूजा ने सुरक्षा संबंधित जानकारी दी जिसमें छात्राओं एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया कस्बा सहसवान के ग्राम कोल्हार के प्राथमिक विद्यालय में मिशन शक्ति,नारी सुरक्षा,नारी सम्मान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं एवं महिलाओं को अपराधों में तत्काल कार्रवाई के तहत 1090,112 महिला टैक्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई बच्चों को गुड टच बेड टच ,बाल अपराध, साइबर क्राइम आदि विषयों पर भी जानकारी दी गई, बच्चों द्वारा शक्ति दीदी से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा को शांत किया गया, कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक राजेंद्र कुमार गुलाटी, ग्राम प्रधान रईस अहमद ,लेखपाल कामेश सक्सेना, सबा रहमानी, सना,स्वर्ण सिंह ,निसार अली, तसलीम अहमद आदि द्वारा प्रीतिभाग किया गया.

डीएम एसपी के निर्देश पर ट्रैफिक प्रभारी ने स्कूली वाहनों के खिलाफ की छापेमारी

संवाददाता

रायबरेली। रायबरेली में ट्रैफिक प्रभारी अजय सिंह तोमर ने मानक के विपरीत चल रहे वाहनो के खिलाफ छापेमारी की। इस छापेमारी में स्कूली वाहनों के खिलाफ डीएम एसपी के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस ने चेकिंग अभियान चला कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनो पर कार्यवाही की है। अभियान में कई वाहन नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए गए नियमों के उल्लंघन पर कार्यवाही की गई ।आपको बता दे कि आज दिनांक 27 अक्टूबर 2023 दिन शुक्रवार को समय करीब 2ः00 बजे रायबरेली जनपद के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइन चौराहा, रतापुर चौराहा, त्रिपुला चौराहा सहित शहर के अन्य चौराहों पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रायबरेली के निर्देशन पर ट्रैफिक प्रभारी अजय सिंह तोमर ने स्कूली वाहनों के खिलाफ छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान 54 स्कूली वाहनों को चेक किया गया। जिसमें नियमों का उल्लंघन करने वाले 14 वाहनों का चालान किया गया वहीं दो वाहनों पर सीज करने के निर्देश दिए गए। पूरे मामले पर पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत यह चेकिंग अभियान चलाया गया था। जिसमें करीब 14 वाहन नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए गए वही अवैध रूप से जिन वाहनों में एलपीजी व सीएनजी टंकी लगी हुई है। उनको चीज करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य वन अधिकारी का मुख्यालय वनकर्मियों के जोशीले जयकारों से गूंज उठा

बैठक में लिए गए निर्णयों का क्रियान्वयन नहीं होने पर कर्मचारियों में भारी विरोध

एजेंसी

नवांशहर। वन कर्मचारी यूनियन पंजाब मुख्य कार्यालय 1406/22-बी चंडीगढ़ ने आज सुबह से पंजाब के विभिन्न शहरों से मुख्य कार्यालय मोहाली में वन विभाग के मुख्य वन अधिकारी के खिलाफ एक विशाल विरोध रैली का आयोजन किया। बड़ी संख्या में वन आढ़ती ट्रकों, बसों और टैंकों पर सवार होकर अपने झंडों, नारों और बैनरों से लैस होकर नारे लगाते हुए पूरी ताकत के साथ धरने पर पहुंचे। आज के धरने का नेतृत्व अमरीक सिंह गरशंकर, जसवीर सिंह सीरा, जसविंदर सौजा और ने किया। विरसा सिंह अमृतसर के नेतृत्व में धरना दिया गया। आज के धरने को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता बलवीर तरनतारन, पवन होशियारपुर, अमनदीप सिंह छत बीर मलिकित मुक्तसर सुलखन सिंह मोहाली तथा रविकांत रोपड़ ने कहा कि वन एवं वन्य जीव विभाग में कार्यरत तीन वर्ष की सेवा वाले कच्चे कर्मचारियों को तत्काल नियुक्ति दी जाये तथा वन्य जीव विभाग में कार्यरत कर्मियों को 25व अधिक नियुक्ति दी जाए, जो कर्मचारियों ने पूरी कर ली है। वर्ष 2006 में दस वर्ष की सेवा। उन कर्मियों को दर से वेतन दिया जाये! सभा को संबोधित करते हुए जसविंदर संगरूर, बब्बू मानसा, निसान फिरोजपुर, जसविंदर बठिंडा, केवल गरशंकर, सेर सिंह सरहिंद, छिंदरपाल सिंह और मनिंदर सिंह मौहाली ने मांग की कि सभी कर्मचारियों को कम से कम 26000 रुपये मासिक वेतन दिया जाना चाहिए। पीएफ और ईआईएस होना चाहिए कटौती की जाए और वन विभाग में कार्यों की दरें बढ़ाई जाएं।आज की रैली में पंजाब सबऑर्डिनेट सर्विसेज फेडरेशन के प्रांतीय नेता सर्व श्री मक्खन सिंह वाहिदपुरी, निर्भय सिंह लुधियाना, नाथ सिंह, गीत सिंह पटियाला, गुरदेव सिंह सिद्धू फिरोजपुर, गुरबिंदर सिंह चंडीगढ़ ने उपस्थित होकर आज के धरने में एकत्रित हुए कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कौन सा रैंक आठवें चार को तुरंत हटाया जाए और तुरंत काम किया जाए और अगर काम में कटौती नहीं की गई तो पंजाब सबऑर्डिनेट सर्विसेज फेडरेशन के सहयोग से कड़ा मोर्चा उठाया जाएगा। भूपिंदर साधोरेड़ी पटियाला, केवल गरशंकर, सतनाम संगरूर, रवि लुधियाना, करम सिंह हरिके पतन, बलराज पठानकोट, रवि कांत रोपड़, सुखदेव जालंधर और कुलदीप गुरदासपुर ने कहा कि अगर सरकार ने वन कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया तो वन कर्मचारी वे यूनियन के झंडे के नीचे कड़ा संघर्ष करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी इस सरकार की होगी। आज के झंडा मार्च में अन्य लोगों के अलावा भिंडर घागा, बुट्टा लुधियाना, जसवन्त गुरदासपुर जगतार सिंह साहपुर, हरजिंदर सिंह सरहिंद मनजीत कौर, हरबंस शामिल थे। कौर.नाजरा.बेगम,जसप्रीत कौर नेताओं में शामिल हुई।आज की रैली के दबाव के कारण, मुख्य वन अधिकारी, पंजाब ने 2/11/2023 को एक बैठक आयोजित की।

भगवान वाल्मिकी के प्राकट्य दिवस पर निकाली गई शोभा यात्रा

एजेंसी

नवांशहर/काठगढ़। महर्षि भगवान वाल्मिकी जी के अवतरण दिवस को समर्पित एक भव्य शोभा यात्रा काठगढ़ शहर में भक्तों के एक समूह द्वारा आयोजित की गई। डेरा बाबा टिब्बी साहिब काठगढ़ के प्रमुख बाबा सखी राम जी और मुख्य सेवादार साईं काले शाह के मार्गदर्शन में भगवान वाल्मिकी मंदिर काठगढ़ से शुरू हुई इस शोभा यात्रा में सुंदर झांकियां सजाई गईं। शोभा यात्रा के आगे-आगे बैंड-बाजे के साथ सुंदर धुनें बजा रहे थे और पालकी साहिब के पीछे बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान वाल्मिकी की महिमा के भजन गाते हुए और वाल्मिकी शक्ति अमर है के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। काठगढ़ के पूर्व सरपंच जोगिंदर पाल दत्त, पूर्व सरपंच शुबाष आनंद, नंबरदार अवतार सिंह बाजवा आदि ने इस शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया। साईं काले शाह ने महत्वपूर्ण हस्तियों को सिरोपाओ से सम्मानित किया। इस शोभा यात्रा में श्री गुरु रविदास सेना के प्रदेश अध्यक्ष दिलबर सिंह, सुक्खा बाउंसर, राजिंदर कुमार लक्की, शिंदी ठेकेदार, सांगरा पेंटर, मा. प्रीतम दास, दीपक पूर्व पंच, राम कुमार, पवन कुमार, धर्मेंद्र कुमार, रमन कुमार आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

तीन दिवसीय द बीटल्स, द गंगा फेस्टिवल का आगाज, सीएम धामी ने किया उद्घाटन

एजेंसी

महोत्सव में लोक संस्कृति पर विशेष ध्यान रहेगा। इसके लिए यहां लगाए गए स्थानीय उत्पादों के स्टाल पर महिलाएं पारंपरिक वेषभूषा में रहेंगी। ऋषिकेश के स्वर्गाश्रम में वानप्रस्थ घाट पर शुक्रवार को तीन दिवसीय द बीटल्स एंड द गंगा महोत्सव का आगाज हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महोत्सव का उद्घाटन किया। महोत्सव में करीब 15 देशों से विदेशी मेहमान शिरकत करेंगे। सीएम धामी ने कहा कि योगनगरी का आध्यात्म और संगीत से गहरा संबंध है। ऋषिकेश विश्व की आध्यात्म राजधानी है। दुनिया के हर स्थान पर रहने वाला व्यक्ति ऋषिकेश के बारे में परिचित है। बीटल्स ने पाश्चात्य सभ्यता को यह दिखाया कि किस प्रकार से आत्मा और संगीत मिश्रित होकर आध्यात्म में विलीन हो सकते हैं। बीटल्स के सदस्यों ने इसी भूमि से प्रेरित होकर एक ऐसा संगीत बनाया जिसकी धुन पूरे विश्व ने महसूस की। आज हम उसी बीटल्स का महोत्सव मना रहे हैं। इस फेस्टिवल के माध्यम से उत्तराखंड को एक नई ऊर्जा मिलेगी। महोत्सव में स्वर्गाश्रम और लक्ष्मणझूला क्षेत्र में संचालित योग केंद्र के योगाचार्यों और योग साधकों को भी बुलाया गया है। संगीत प्रस्तुति संग स्थानीय उत्पाद का स्टॉल लगाया जाएगा, साथ ही मोटे अनाज से बने व्यंजन परोसे जाएंगे। महोत्सव में गढ़वाली लोक संस्कृति पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्थानीय उत्पादों के स्टॉल पर महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में रहेंगी। 28 अक्तूबर को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज भी उपस्थित रहेंगे। महोत्सव के दौरान योग, ध्यान, पर्यटन के अतिरिक्त नमामि गंगे पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विदेशी पर्यटकों के लिए भी पश्चिमी संगीत के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें बीटल्स से संबंधित संगीत और भावातीत योग, ध्यान के संबंध में भी जानकारी दी जाएगी।

एक नज़र

पूर्व सरपंच की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा हुई आयोजित।

एजेंसी

धौलपुर राजस्थान। राजाखेड़ा क्षेत्र की बहुचर्चित शख्सियत देवखेड़ा ग्राम पंचायत से पूर्व सरपंच व पूर्व पंचायत समिति सदस्य स्व. रामावतार पाराशर की 20 वीं पुण्यतिथि पर आज लम्बरदार ब्रिक फील्ड देवखेड़ा में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें उनके चाहने वालों ने उन्हें नम आंखों से याद करते हुए अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा के मौके पर राजाखेड़ा में से कई लोग शामिल हुए जहाँ उन्होंने रामावतार पाराशर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान लोगों ने अपने अपने विचार रखते हुए कहा कि पूर्व सरपंच स्वर्गीय रामावतार पाराशर अपने समय में ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ एवं निडर व्यक्ति रहे थे, छल कपट उनके स्वभाव में नही था, जो वे कहते थे वही करते थे इसलिए उन्हें सर्व समाज का नेता माना जाता था, 2003 से पहले वे भाजपा के दिग्गज नेताओं में शामिल थे लोगो का कहना था कि उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत व वसुंधरा राजे का भी करीबी बताया जाता था। अपने समय मे उन्होंने हमेशा गरीबो की सहायता करने का कार्य किया। श्रद्धांजलि सभा में इस दौरान उनके भतीजे दिलीप पाराशर ,पुत्र आशीष सहित परिवारीजन एवं पंकज शर्मा जगन,किरोड़ी लाल जाटव,ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पवन उपाध्याय,कैलाश चिहार, रामवीर शर्मा,मधुसूदन शर्मा, उत्तम दीक्षित, माधो सिंह ,गिर्राज मास्टर, गणेश सरपंच,बंटी सरपंच, कुम्हर सिंह,मुकेश बघेल,गुलाब सिंह महतर,सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

पुलिस और अर्द्ध सैनिक बल के अधिकारियों व जवानों के साथ किया पैदल फ्लैग मार्च।

एजेंसी

धौलपुर राजस्थान। आगामी विधानसभा चुनाव में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करने, आचार संहिता का सख्त पालन करने, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव में पुलिस और प्रशासन का सहयोग करने और मतदाताओं को भय मुक्त करने के उद्देश्य को लेकर राजाखेड़ा एवं बाडी सदर इलाके में पुलिस और अर्द्ध सैनिक बल के अधिकारियों व जवानों के साथ किया पैदल फ्लैग मार्च। विधानसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने व आमजन के मन में कानून व्यवस्था का एहसास करने के लिए एरिया डोमिनेंस के तहत शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करने, आचार संहिता का सख्त पालन करने, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव में पुलिस और प्रशासन का सहयोग करने और मतदाताओं को भय मुक्त करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश मीणा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ देवेन्द्र प्रताप सिंह के सुपरवीजन में पुलिस टीम, प्रशासन व अर्द्ध सैनिक बल के अधिकारियों व जवानों के साथ जिले के अलग अलग स्थानों पर प्रतिदिन पैदल फ्लैग मार्च निकाल कर मतदाताओं को भयमुक्त होकर मतदान करने का संदेश दे रही है7 आज जिले में वृत्ताधिकारी वृत्त बाडी महेंद्र सिंह व सीआरपीएफ के कंपनी कमांडर इन्द्रमोहन नेगी के नेतृत्व में बाडी सदर थाना अन्तर्गत अति संवेदनशील स्थानों बहादुरपुर, सुनीपुर, निधार, मत्सूरा, बिजौली, कांसौटीखेडा, सनौरा व राजाखेड़ा थाना इलाके के अन्तर्गत थानाधिकारी थाना राजाखेड़ा रामखिलाडी व एवं कंपनी कमांडर सीआरपीएफ सुधीर कुमार के नेतृत्व में अति संवेदनशील मतदान केन्द्र जगमोहन पुरा, सिलावट, दिघी, नागर, सिंघावली, सिकरौदा, बाजना आदि में पुलिस एवं अर्द्ध सैनिक बलो के साथ पैदल मार्च निकाला गया एवं भयमुक्त होकर मतदाताओं को मतदान करने का संदेश दिया गया7 इस दौरान पुलिस एवं प्रशासन की टीमों द्वारा आम नागरिकों को भयमुक्त होकर मतदान करने के लिए जागरूक किया गया,तथा बताया गया कि किसी भी प्रकार की अफवाहें फैलाने वाले तथा दुष्प्रचार करने वाले शरारती व असामाजिक तत्वों की सूचना तुरन्त पुलिस को दे ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि जिले में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराने के लिए जिला पुलिस पूरी मुस्तैदी से जुटी हुई है। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देशन में अवैध गतिविधियों एवं अवैध कार्यों की रोकथाम व धरपकड़ के लिए प्रमुख सडक मार्गों, प्रमुख स्थलों पर नाकाबंदी कराई जाकर वाहनों की सघन चेकिंग कराई जा रही है।

ऊना और जिला कांगड़ा में चार स्थानों पर सीबीआई की दबिश, जानें पूरा मामला

कांगड़ा। सीबीआई के प्रवक्ता आरसी जोशी ने बताया कि मैसर्स मैज्मा ऑटो लिंक्स प्राइवेट लिमिटेड ऊना और उसके निदेशक तुशार शर्मा, श्वेता शर्मा सहित अज्ञान लोक सेवक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश के जिला ऊना और कांगड़ा में एक कंपनी से संबंधित चार स्थानों पर दबिश दी।

निजी कंपनी और उसके निदेशकों सहित अन्यों के खिलाफ मामला

कांग्रेस की परिवर्तन रैली आज खुर्दा में

एजेंसी

भुबानेश्वर। प्रांतीय कांग्रेस अब राज्य में बदलाव की मांग कर रही है। इसलिए आज कांग्रेस खुर्दा में परिवर्तन रैली का आयोजन करेगी. खुर्दा के वीर माटी में विशाल सभा में कांग्रेस को जनता के अधिकार पर गर्व है. 27 अक्टूबर को कांग्रेस ने खोरधा चला का आह्वान किया. पार्टी को उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी से बदलाव का आह्वान करते हुए 10,000 से अधिक लोग एक साथ आएंगे. चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस ने जोर आजमाइश शुरू कर दी है। कांग्रेस विधायक सुर रौथराई ने कहा, कांग्रेस की परिवर्तन रैली पूरे राज्य के लिए एक बड़ी चुनौती है, इससे समाज में बड़ा बदलाव आएगा. ओडिशा की जनता में भी बड़ा बदलाव आएगा। राजनीतिक परिदृश्य। लोग कांग्रेस पर बरसेंगे। 10 हजार से अधिक लोग इसमें शामिल होंगे। परिवर्तन के आह्वान में चारियाडु से 15,000 से अधिक लोग शामिल होंगे। केंद्रीय नेता चेला कुमार, पीसीसी अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेस नेता निरंजन पटनायक, जयदेव जेना, प्रसाद हरिचंदन, सभी विधायक और मोर्चा संगठन शामिल होंगे। वेतन वृद्धि, बेरोजगारी, विनाशकारी कानून। अनुशासन, कृषि क्षेत्र में उपेक्षा के आधार पर परिवर्तन के नारे दिए गए हैं। यह परिवर्तन रैली सफल होनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सुर रौतराई के आह्वान पर कल खुर्दा में विशाल परिवर्तन रैली होगी. एनवाईपीसीसी के अध्यक्ष शरत पटनायक ने कहा, ÷अब ओडिशा बदलाव चाहता है, सरकार बदलना। पूरे ओडिशा में कांग्रेस की सभाएं चल रही हैं। और ओडिशा के लोग ओडिशा को बदलने के लिए नवीन बाबू को कितने साल देंगे? युवा बिना मांगे भीख मांग रहे हैं।÷ नौकरी मिल रही है। किसान आज निराशा में मर रहे हैं। छात्र समाज चुनाव नहीं लड़ सकता। शिक्षक, आशा दीदी, डॉक्टर और सरपंच सड़कों पर हैं। इसलिए बदलाव की जरूरत है। अब लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। लोग आकर कहां समर्थन कर रहे हैं रैली है. सरकार चुनाव को देखते हुए खोखली योजनाएं शुरू कर रही है. ओडिशा देश का पिछड़ा राज्य माना जाता है. लोग बदलाव चाहते हैं. कांग्रेस कार्यकर्ता चारों तरफ एकजुट हैं. इस बार बदलाव तय है।

टोपान कंपनी दरा फ्री सेहत जांच कैप लगाया

141 मरीजों की जांच करते वांटी दवाईयां

एजेंसी

नवांशहर / काठगढ़। टोपान स्पेशलिटी फिल्मज दरा डेरा कुला वाले पीर काठगढ़ के परिसर में फ्री सेहत जांच कैप मैकस अस्पताल मोहाली के माहिर डाकटरों की टीम में लगाया गया। टीम में डा. अखिलेशवर मेडिसीन, डा. सुखमन वालिया, (स्त्री रोग माहिर), डा किशन गुप्ता, ने 141 मरीजों की जांच की। कैप का उदघाटन डेरा मुखी स्वामी दयाल दास जी महाराज ने किया। उन्के साथ पूर्व सरपंच जोगिंदर दत्त, नंबरदार यशपाल भाटिया, अवतार सिंह बाजवास प्रिसिपल प्रेम प्रकाश , चमन लाल आनंद, सुभाष शर्मा, प्रधान सनातम धर्म सभ, सतीश शर्मा और विष्णु प्रसाद मौजूद रहे। यह जानकारी देते हुए कंपनी की हेड एचआर मैडम कीरत बराड ने बताया कि उनकी कंपनी की तरफ से रैलमाजरा और टोनसा के बाद काठगढ़ मे यह तीसरा कैप लगाया गया है। नर्सिग स्टाफ ने कैप में आने वाले मरीजों की बलड प्रेशर और शूगर की जांच की और सभी मरीजों को जरुरत अनुसार फ्री दवाईयां भी दी गई। कुल 68मरीजों ने अपनी बलड शूगर की जांच करवाई। मैडम कीरत बराड़ ने बताया कि कैप में 49 मरीजों की नजदीक की नजर कमजोर पाई गई जिनको अगले दो हफतो में टोपान कंपनी से मुफत चश्मे भी दिए जाएगे। आंखो की जांच शर्मा आई अस्पताल रोपड़ की दो टीमों ने की। कंपनी की तरफ से डा. सुरिंदर मोहन सिद्द, एरिका, गुरमुख सिंह, प्रदीप कुमार, निर्मलजीत, सुरिंदर सिद्द, सरजीवन, सोम नाथ, गुरजीत सिंह, सुरजीत सिंह तथा पीके वर्मा शामिल थे। मैकस अस्पताल की टीम में तरुण शर्मा व उनकी टीम ने कैप के संचालन में सहयोग किया।

काठगढ़ पुलिस ने नशे के खिलाफ जागरुकता रैली निकाली

एजेंसी

नवांशहर /काठगढ़। काठगढ़ पुलिस ने डीएसपी शाम सुंदर की अगुवाई में आज तंदरुसत पंजाब के तहत नशे के खिलाफ जागरुकता रैली डीएवी स्कूल के बच्चों को साथ लेकर निकाली गई। बच्चों ने नशे के खिलाफ जागरुक करती हुई तखतिया व नारे लगा के लोगों को नशे के बुरे प्रभाव के बारे में जागरुक किया है। यह रैली स्कूल से शुरु होकर अलग अलग बाजारों से होती हुई वापस स्कूल में जाकर संपन्न हुई। इस मौके पर डीएसपी शाम सुंदर ने कहा कि नशे एक लाहनत है जो हमारे समाज को गंदला कर रही है। आए दिन नौजवान इस कि ग्रस्त में आकर अपनी कीमती जाने गवा रहे है। उन्होने पबिलक को अपील की वह नशे का सेवन करने वाले जा नशे की सप्लाई करने वालों के बारे में बताए। जानकारी देने वालों का नाम व पता गुपत रखा जाएगा। उन्होने कहा कि यदि हम सभी नशे के खिलाफ एकजुट होगे तब ही इस कोहड से मुकत हो सकते है। इसमौके उनके साथ एसएचओ पंकज शर्मा, एएसआई विनोद कुमार भी मौजूद रहे।

खून से सना चाकू लेकर थाने पहुंचा नाबालिग, बोला- बदमाश को मार दिया, लाश वहीं पड़ी है

संवाददाता

नई दिल्ली। नाबालिग ने पूछताछ में बताया कि मृतक काफी पहले से उसे प्रताड़ित कर रहा था। उनके बीच प्रेमिका से बातचीत करने को लेकर भी विवाद था। दो दिन पहले आरोपी ने उसे शराब लाने के लिए कहा। मना करने पर आरोपी ने उसकी पिटाई कर दी और उससे पैसे छीनकर उसे भगा दिया। खून से सना चाकू लेकर एक नाबालिग गुरुवार देर रात नबी करीम थाने पहुंच गया। आरोपी के हाथ में चाकू देखकर थाने में मौजूद पुलिसकर्मी भी दंग रह गए। आरोपी ने पुलिसकर्मियों को बताया कि उसने मुल्तानी ढांडा इलाके में एक बदमाश की हत्या कर दी है और उसकी लाश वहीं पड़ी है। पुलिस आरोपी के कब्जे से चाकू लेकर उसे हिरासत में ले लिया। इसी बीच गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों ने थाना पुलिस को एक युवक की हत्या की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में कर लिया। पुलिस हत्या का मामला दर्जकर नाबालिग और उसके एक दोस्त को पकड़ लिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मृतक की शिनाख्त अमित (29) के रूप में हुई है। मूलतः उत्तर प्रदेश के देवरिया के रहने वाला अमित नबी करीम के मुल्तानी ढांडा गली नंबर आठ में रहता था। यहां उसके पिता परचून की दुकान करते हैं। 26 अक्तूबर की देर रात नबी करीम थाना के पुलिसकर्मी इलाके में गश्त कर रहे थे। रात करीब 2.10 बजे पुलिसकर्मियों को मुल्तानी ढांडा के गली नंबर दस में एक व्यक्ति लहूलुहान हालत में मिला। उसके शरीर पर चाकू के निशान थे और उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिसकर्मियों ने इसकी जानकारी थाना की पुलिसकर्मियों को दी। सूचना मिलते ही थाने से पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। इस बीच एक नाबालिग चाकू लेकर नबी करीम थाने पहुंचा। उसने दावा किया कि उसने मुल्तानी ढांडा में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी है और उसकी लाश वहीं पड़ी है। पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक टीम और क्राइम टीम को बुलाकर वहां से साक्ष्य इकट्ठा किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू की। नाबालिग ने पूछताछ में बताया कि मृतक काफी पहले से उसे प्रताड़ित कर रहा था। उनके बीच प्रेमिका से बातचीत करने को लेकर भी विवाद था। दो दिन पहले आरोपी ने उसे शराब लाने के लिए कहा। मना करने पर आरोपी ने उसकी पिटाई कर दी और उससे पैसे छीनकर उसे भगा दिया। इससे खुद को काफी अपमानित महसूस कर रहा था। इसके बाद उसने अमित की हत्या की साजिश रची। गुरुवार रात उसने अपने दोस्त आकाश के साथ मिलकर उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। जांच के बाद पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक और आरोपी दोनों एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं। अमित पर लूटपाट, झपटमारी चोरी समेत आठ मामले दर्ज हैं। वहीं नाबालिग पर भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या के प्रयास में वह बाल सुधार गृह में बंद था। एक सप्ताह पहले ही वहां से बाहर आया है। पुलिस नाबालिग के दोस्त आकाश को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि अमित ज्यादातर समय देवरिया में रहता था। अदालत में चल रहे मामले के सिलसिले में दिल्ली आता जाता रहता था।

ऑस्ट्रेलिया ने लगाए 20 छक्के, टूटा 10 साल पुराना रिकॉर्ड

रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड की 5 रनों से हार

एजेंसी

धर्मशाला। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने शानदार शतक लगाया। वहीं, विस्फोटक ओपनर डेविड वॉर्नर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। हेड ने 67 गेंद पर 109 रन और वॉर्नर ने 65 गेंद पर 81 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ धर्मशाला में शनिवार (28 अक्तूबर) को तूफानी बल्लेबाजी की। कंगारूओं ने 49.2 ओवर में 388 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने शानदार शतक लगाया। वहीं, विस्फोटक ओपनर डेविड वॉर्नर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। हेड ने 67 गेंद पर 109 रन और वॉर्नर ने 65 गेंद पर 81 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की इस पारी के दौरान कई रिकॉर्ड बने। वॉर्नर और हेड ने मिलकर कई उपलब्धियां हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पारी में कुल 20 छक्के लगाए। ट्रेविस हेड ने सात, डेविड वॉर्नर ने छह, कप्तान पैट कमिंस ने चार और ग्लेन मैक्सवेल ने दो छक्के लगाए। जोश इंगलिश ने एक छक्का लगाया। एक वनडे में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं। कंगारू टीम ने इससे पहले 2013 में भारत के खिलाफ बंगलूरू में 19 और 2023 में बंगलूरू के मैदान पर ही पाकिस्तान के खिलाफ 19 छक्के लगाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने 2007 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैमिल्टन में 16 और 2011 में बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में 16 छक्के उड़ाए थे।

ऑस्ट्रेलिया ने 388 रन बनाकर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इससे पहले 2016 में उसने कैनबरा में पांच विकेट पर 378 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए विश्व कप में उसका यह तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। उसने 2015 में अफगानिस्तान के खिलाफ पर्थ में छह विकेट पर 417 रन बनाए थे। वहीं, 2023 में नीदरलैंड के खिलाफ दिल्ली में आठ विकेट पर 399 रन बनाए थे।

विश्व कप के एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाए वाली टीम

टीम	खिलाफ	जगह	साल	छक्के
इंग्लैंड	अफगानिस्तान	मैनचेस्टर	2019	25
ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड	धर्मशाला	2023	20
वेस्टइंडीज	जिम्बाब्वे	कैनबरा	2015	19
ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान	बंगलूरू	2023	19
दक्षिण अफ्रीका	बांग्लादेश	मुंबई	2023	19

विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाए वाले बल्लेबाज

डेविड वॉर्नर ने इस मैच में छह और ग्लेन मैक्सवेल ने दो छक्के लगाए। दोनों बल्लेबाज विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में टॉप-5 में पहुंच गए हैं। वॉर्नर और मैक्सवेल ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा। वॉर्नर के विश्व कप में 36 और मैक्सवेल के 33 छक्के हो गए। पोंटिंग ने 31 छक्के लगाए थे। वेस्टइंडीज के पूर्व ओपनर क्रिस गेल (49) पहले, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (40) दूसरे और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स (37) तीसरे पायदान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए विश्व कप डेब्यू में शतक लगाने वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज	खिलाफ	जगह	साल	रन
ट्रेवर चैपल	भारत	नॉटिंघम	1983	110
ज्योफ मार्श	भारत	चेन्नई	1987	110
एंड्रयू साइमंड्स	पाकिस्तान	जोहानिसबर्ग	2003	143*
एरॉन फिंच	इंग्लैंड	मेलबर्न	2015	135
ट्रेविस हेड	न्यूजीलैंड	धर्मशाला	2023	109

ऑस्ट्रेलिया के लिए विश्व कप में पहले विकेट के लिए बड़ी साझेदारी

रन	बल्लेबाज	खिलाफ	जगह	साल
259	डेविड वॉर्नर-मिचेल मार्श	पाकिस्तान	बंगलूरू	2023
183	शेन वॉटसन-ब्रैड हाडिन	कनाडा	बंगलूरू	2011
182	रिक मैककोस्कर-एलन टर्नर	श्रीलंका	ओवल	1975
175	डेविड वॉर्नर-ट्रेविस हेड	न्यूजीलैंड	धर्मशाला	2023
172	एडम गिलक्रिस्ट-मैथ्यू हेडन	श्रीलंका	ब्रिजटाउन	2007

हेड ने 59 गेंद पर लगाया शतक

ट्रेविस हेड ने इस मैच में 59 गेंद पर ही शतक पूरा कर लिया। वह वनडे में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज शतक लगाने के मामले में चौथे स्थान पर आ गए। ग्लेन मैक्सवेल ने इसी विश्व कप में नीदरलैंड के खिलाफ दिल्ली में 40 गेंद पर शतक लगाया था। दूसरे स्थान पर मैक्सवेल ही हैं। उन्होंने 2015 विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ सिडनी में 51 गेंद पर शतक लगाया था। जेम्स फॉकनर ने बंगलूरू में भारत के खिलाफ 2013 में 57 गेंद पर सैकड़ा पूरा किया था।

हेड-वॉर्नर ने साझेदारी में भी हासिल की ये उपलब्धियां

वॉर्नर और हेड ने पहले विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की। यह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बल्लेबाजों की दूसरी बड़ी साझेदारी है। हेड और वॉर्नर ने मार्क वॉ और माइकल डी वेनुतो को पीछे छोड़ा। दोनों ने पहले विकेट के लिए 1997 में एडिलेड के मैदान पर 156 रन जोड़े थे। इस मामले में पहले स्थान पर एडम गिलक्रिस्ट और मार्क वॉ हैं। दोनों ने साल 2000 में पहले विकेट के लिए 189 रन की साझेदारी की थी।

नीदरलैंड्स ने बांधा बांग्लादेश का बोरिया बिस्तर

बंगाल टाइगर्स को 87 रनों से हराकर वर्ल्ड कप से किया बाहर

एजेंसी

कोलकाता। फुटबॉल के खेल में माहिर नीदरलैंड्स अब क्रिकेट में भी चमक बिखेर रहा है। दक्षिण अफ्रीका को हराने के बाद अब उसने बांग्लादेश को पटकनी देकर विश्वकप से उसका बोरिया बिस्तर बांध दिया है। शनिवार को ईडन गार्डेंस स्टेडियम में हुए मैच में नीदरलैंड्स ने विकेटकीपर कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (68) की जुझारू पारी और तेज गेंदबाज पॉल वैन मीकेरेन (4/23) के घातक स्पेल के बल पर बांग्लादेश को 87 रनों से हरा दिया। डच टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 10 विकेट पर 229 रन बनाए, जिसके जवाब में बांग्लादेश के बल्लेबाज 42.2 ओवर में 142 रन पर ढेर हो गया। चार बल्लेबाज तो दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच पाए। इस जीत की बदौलत नीदरलैंड्स खिताब की दौड़ में बना हुआ है।

डच टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 10 विकेट पर 229 रन बनाए जिसके जवाब में बांग्लादेश के बल्लेबाज 42.2 ओवर में 142 रन पर ढेर हो गया। चार बल्लेबाज तो दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच पाए। इस जीत की बदौलत नीदरलैंड्स खिताब की दौड़ में बना हुआ है। इससे पहले नीदरलैंड्स ने साउथ अफ्रीका को हराया था।

नौसिखिया नहीं रहा नीदरलैंड्स

फुटबॉल विश्वकप की नियमित टीमों में से एक नीदरलैंड्स ने 1994 में पहली बार क्रिकेट विश्वकप के लिए क्वालीफाइ किया था और 1996 में पहला विश्वकप खेला। इसके बाद उसने 2003, 2007 और 2011 का विश्वकप भी खेला लेकिन छाप नहीं छोड़ पाया। 12 साल बाद विश्वकप में वापसी करके नीदरलैंड्स अब सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। उसने जता दिया है कि फुटबॉल की तरह उसे अब क्रिकेट में भी गंभीरता से लेना होगा।

एडवर्ड्स के नीदरलैंड्स के लिए वनडे में सबसे ज्यादा अर्धशतक

27 साल के एडवर्ड्स इस मैच में नीदरलैंड्स के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उनके अब 44 मैचों में 15 अर्धशतक हो गए हैं। उन्होंने पूर्व खिलाड़ी आरएन टेन डजचैट को पीछे छोड़ा, जिनके 33 वनडे में 14 अर्धशतक हैं। जरूरत के समय संयम के साथ खेली गई एडवर्ड्स की पारी में छह चौके शामिल रहे। वेसली बैरेसी ने भी 41 रनों की उपयोगी पारी खेली। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने शुरू से ही नीदरलैंड्स पर दबाव बनाया और उसके सलामी बल्लेबाजों को सस्ते में पवेलियन भेज दिया। उसके बाद एडवर्ड्स ने लड़खड़ाती पारी संभालकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा दिया।

तेज गेंदबाजों के नाम रहा मैच

नीदरलैंड्स के पाल वान मीकेरेन ने चार तो बास डी लीडे ने दो विकेट चटकाए। लीडे के वर्तमान विश्वकप में 11 व मीकेरेन के 10 विकेट हो गए हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा। मुस्तफिजुर रहमान तासकीन अहमद और शोरीफुल इस्लाम ने शुरुआती दबाव बनाते हुए दो-दो विकेट चटकाए।

बांग्लादेश ने 33 साल बाद ईडन में खेला वनडे

बांग्लादेश को ईडन गार्डेंस स्टेडियम में अपना दूसरा वनडे मैच खेलने में तीन दशक से भी ज्यादा समय लग गया। उसने 33 साल बाद यहां कोई वनडे खेला। पड़ोसी देश का ईडन में यह मात्र दूसरा वनडे है। उसने 1990 में हुए एशिया कप के दौरान ईडन में श्रीलंका के विरुद्ध पहला वनडे खेला था, जिसमें उसे 71 रनों से हार झेलनी पड़ी थी। वही नीदरलैंड्स ने 12 साल बाद ईडन में कोई मैच खेला है। यहां डच टीम का भी यह दूसरा वनडे है। नीदरलैंड्स ने 2011 के विश्वकप में इस ग्राउंड पर आयरलैंड के विरुद्ध पहला मैच खेला था, जिसमें उसे छह विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।

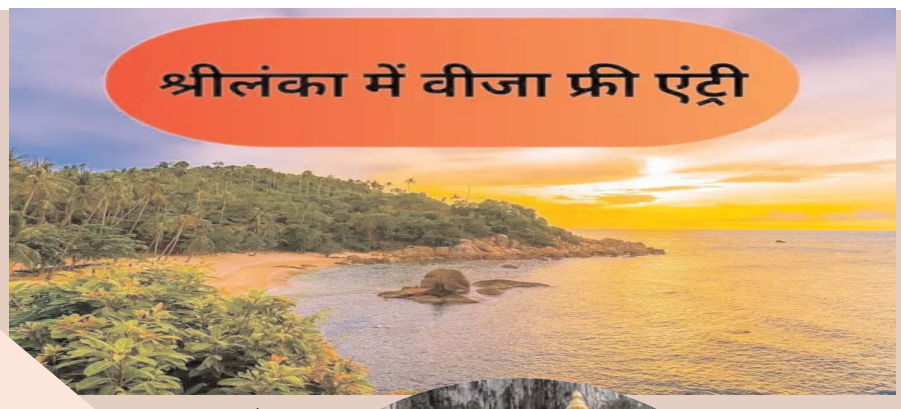

अब से इस देश में भारतीयों को मिल रही है Visa Free एंट्री

पत्नियां तो देश का नाम देख खुशी से उछल जाएंगी !

श्रीलंका घूमने का अगर आप भी मना बना रहे हैं, तो आपके लिए खुश खबरी है, जी हां अब इस देश के लिए विदेशियों को वीजा नहीं लेना पड़ेगा। एंट्री फ्री वीजा के साथ आप श्रीलंका जा सकते हैं। अब से इस देश में भारतीयों को मिल रही है ङ्कद्बह्यड्ड स्नह्म्द्गद्ग एंट्री, पत्नियां तो देश का नाम देख खुशी से उछल जाएंगी ! भारत से बाहर जाते समय हम सभी के लिए सबसे बड़ी चिंता क्या रहती है? शायद फ्लाइट टिकट की, होटल बुकिंग की और घूमने-फिरने की, लेकिन एक चीज जो हम सभी भूल जाते हैं वो है वीजा। जी हां, ये एक ऐसा जरूरी डॉक्युमेंट है जो आपको विदेशों में घूमने मदद करता है। इसी के जरिए आप जितने दिन चाहे उतने दिन उस कंट्री में रह सकते हैं। बता दें, हर देश की अपनी लिमिटेशन होती है जैसे मालदीव में आप 90 दिन के लिए रह सकते हैं, वहीं और देशों में 30 दिन या 20 दिन भी होता है। लेकिन आपके लिए एक खुशखबरी है, अब आपको श्रीलंका जाने के लिए वीजा नहीं लेना पड़ेगा। भारतीयों के लिए यहां वीजा फ्री एंट्री रखी गई है। श्रीलंका की कैबिनेट ने भारत के साथ सात देशों के यात्रियों को बिना वीजा देश की यात्रा करने का प्रस्ताव रखा है। ये फैसला कर्ज में डूबे देश के पर्यटन क्षेत्र को फिर से उठाने के प्रयास के लिए शुरू किया गया है। ये प्रोजेक्ट 31 मार्च, 2024 तक पायलट प्रोजेक्ट की तरह शुरू किया गया है।

भारत के सात देशों को दी जाएगी ये एंट्री

कैबिनेट ने भारत के साथ चीन, रूस, मलेशिया, जापान, इंडोनेशिया और थाईलैंड के यात्रियों को तत्काल प्रभाव से फ्री एंट्री देने की अनुमति दी है। इन देशों के यात्री श्रीलंका जाने के लिए फ्री वीजा प्राप्त कर सकेंगे। सितंबर में श्रीलंका आने वाले यात्रियों के आंकड़ों के अनुसार, 30 हजार यात्रियों और 26 प्रतिशत के साथ भारत पहले नंबर पर और चीन आठ हजार यात्रियों के साथ दूसरे नंबर पर है।

वीजा फ्री क्या होता है

वीजा फ्री में आप बिना वीजा के लिए ही किसी देश में घूमने के लिए जा सकते हैं। ये तब लागू किया जाता है, जब दोनों के बीच समझौता होता है या फिर जिस देश आप जा रहे हैं, उसने एकतरफा तरीके से विदेशी नागरिकों के लिए सीमाएं खोल दी हो। इस द्वीप देश में आप कभी भी जा सकते हैं, हालांकि

इस चीज में

दिसंबर से अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है। अगर आप वेस्ट और साऊथ कोस्ट में घूमने जाना चाहते हैं और पहाड़ों के बीच कुछ देर रुकना चाहते हैं, तो दिसंबर से मार्च तक का समय बेस्ट है। हालांकि, पूर्वी तट को देखने के लिए अप्रैल/मई से सितंबर सबसे अच्छा है। साथ ही, इस देश में अलग-अलग समय पर दो अलग-अलग मानसून मौसम आते हैं। तो आप अपनी सुविधा के अनुसार यहां घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं।

पर्यटकों को श्रीलंका जाने के कई ऑप्शन मिल जाएंगे, लेकिन दिल्ली से श्रीलंका जाना काफी आसान है। दिल्ली से श्रीलंका की फ्लाइट दूरी करीबन 3,580 किलोमीटर है। सर्विसेस देने वाली कई एयरलाइनों में एयर इंडिया और जेट एयरवेज़ के साथ स्पाइस जेट वेज़ भी शामिल है। दिल्ली से श्रीलंका का फ्लाइट समय, दिल्ली-कोलंबो रास्ते के लिए लगभग 3 घंटे

आंखों को रखना है स्वस्थ रखने के लिए जान लें कितने समय पर कराते रहनी चाहिए

नई दिल्ली। भारत में आंख की समस्याएं एक बड़ी चिंता का विषय हैं, इसलिए लोगों को आई हेल्थ के बारे में जागरूक करना जरूरी है। इस समय भारत में लगभग 49.5 लाख लोग नेत्रहीनता का शिकार हैं और 7 करोड़ लोगों का कमजोर दृष्टि का शिकार हैं। इनमें 2.4 लाख नेत्रहीन बच्चे भी शामिल हैं। जहां नेत्रहीनता का सबसे बड़ा कारण मोतियाबिंद है, तो वहीं कमजोर दृष्टि का कारण रिफ़्रैक्टिव समस्याएं हैं। नेत्रहीनता जानलेवा नहीं होती है, लेकिन यह व्यक्ति के जीवन कई तरीकों से प्रभावित करती है। पांच मुख्य ज्ञानेन्द्रियों में शामिल होने के बावजूद लोग इसकी हेल्थ पर इतना ध्यान नहीं देते।

समय पर जरूरी कदम उठाकर और आंखों की जांच करा कर ग्लूकोमा, मोतियाबिंद और डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी कई बीमारियों से बचा जा सकता है और उन्हें ठीक किया जा सकता है। भारत में आई-केयर के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना बहुत ज़रूरी है। उतना ही ज़रूरी लोगों को यह समझाना भी है कि उन्हें आंखों की जांच कब करवानी चाहिए।

❖Eye Care Tips आंखों को हेल्दी रखने और किसी समस्या का समय रहते पता लगाने के लिए समय-समय पर जांच कराते रहना जरूरी है। लेकिन कितने समय पर ये सबसे बड़ा सवाल होता है। आज के लेख में हम इसी के बारे में जानेंगे कि कैसे इस एक बात पर ध्यान देकर आप रह सकते हैं कई सारी समस्याओं से दूर।

❖आंखें हमारी पांच मुख्य ज्ञानेन्द्रियों में शामिल है।

❖आंखों को हेल्दी रखने के लिए समय-समय पर जांच कराते रहना जरूरी है।

❖जानें कब करानी चाहिए आंखों की जांच

1. उम्र के अनुसार

❐ बच्चे और किशोर- लगभग 6 महीने की उम्र में आंखों की जांच कराना शुरु करें। 3 साल की उम्र में स्कूल जाना शुरू करने से पहले फिर से जांच कराएं। पढ़ाई के दौरान दो से तीन साल में और पढ़ाई खत्म होने के बाद भी दो साल में एक बार जांच कराते रहें।

❐ वयस्क (18-60)- अगर आंखों की कोई समस्या या जोखिम नहीं है, तो हर दो साल में एक बार आंखों के डॉक्टर को दिखाएं। अगर आप करेक्टिव लेंस पहनते हैं या आपको कोई प्रॉब्लम है, तो हर साल आंखों की जांच करा लें।

❐ वरिष्ठ नागरिक (60+)- 60 वर्ष की आयु के बाद हर साल आंखों की जांच करानी चाहिए, क्योंकि बढ़ती उम्र में आंखों की रोशनी कमजोर होने लगती है।

2. आंख की समस्याएं

❐ ग्लूकोमा- जिनके परिवार में आंख से जुड़ी समस्यार रही हों, उन्हें हर 1 से 2 साल में आंखों की जांच करवाते रहनी चाहिए। अगर आपको ग्लूकोमा डायग्नोज़ हुआ है, तो आपको और ज़्यादा सर्तक रहना चाहिए।

❐ मधुमेह- मधुमेह से पीड़ित लोगों को डायबिटिक रेटिनोपैथी का खतरा ज़्यादा होता है। किसी भी परेशानी से बचने के लिए हर साल आंखों की जांच कराएं।

❐ बढ़ती उम्र के कारण मैक्यूलर डिजनरेशन (एएमडी)- अगर आपको एएमडी है या उम्र

और पारिवारिक इतिहास के कारण इसका जोखिम है, तो आपको समय-समय पर डॉक्टर से कंसल्ट करते रहना चाहिए।

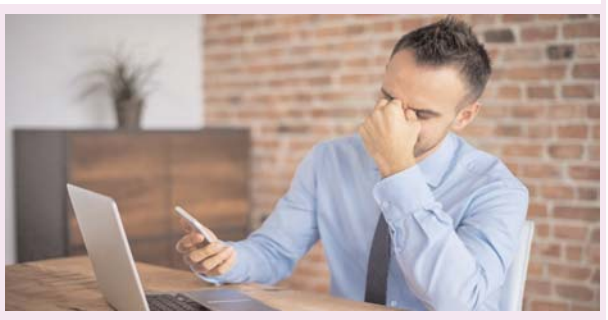

3. देखने में परेशानी

❐ आंखों में किसी तरह की कोई परेशानी जैसे धुंधलापन, दर्द, या तनाव महसूस हो, तो भी डॉक्टर से संपर्क करें। ये परेशानियां रिफ़्रैक्टिव प्रॉब्लम्स, ग्लूकोमा या रेटिनल डिटैचमेंट आदि के कारण हो सकते हैं।

❐ आंखों की जांच कब-कब करानी है, यह कई चीज़ों पर डिपेंड करता है। इसमें उम्र, आंखों की मौजूदा स्थिति, लाइफस्टाइल इन सभी की भूमिका है।

(डॉ. सुदीप्तो पकरासी, चेयरमैन, ऑप्थल्मोलॉजी, मेदांता, गुरूग्राम से बातचीत पर आधारित)

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार् समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।